हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 24 दिसंबर 2023

तापमान

अधिकतम 21.5 डिग्री
न्यूनतम 6.5 डिग्री

खबर संक्षेप

स्नेचरों ने प्रवासी मजदूर से छीना मोबाइल

यमुनानगर। गांव भूखड़ी स्थित प्लाइवुड फैक्टरी में काम करने वाले मजदूर सतेंद्र कुमार से बाइक सवार चार युवकों ने मोबाइल छीन लिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पानीपत पुलिस ने शराब के दो तस्कर पकड़े

पानीपत। थान इसराना पुलिस ने शराब तस्करी मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों दिनेश पुत्र राजबीर व प्रदीप पुत्र जसमेर निवासी गांव नौल्था जिला पानीपत को गिरफ्तार किया है। आरोपियों का साथी आरोपी संदीप निवासी गांव नौल्था पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इधर, कोर्ट ने आरोपियों दिनेश व प्रदीप को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

अश्लील फोटो वायरल करने वाली महिला काबू

करनाल। साइबर थाना की टीम ने फेक इंस्टाग्राम आईडी से अश्लील फोटो वायरल करने के नाम पर ब्लेकमेल कर पैसों की डिमांड करने वाली महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी मानवी चौधरी निवासी रोहटा रसूलपुर, जिला मेरठ उत्तरप्रदेश को रोहटा से गिरफ्तार किया।

डेरे में घुसकर चोरी करने वाले दो आरोपी काबू

करनाल। बर्गलरी स्टाफ की टीम ने डेरे में घुसकर चोरी करने वाले दो आरोपियों को एसआई हिम्मत सिंह इंचार्ज बर्गलरी स्टॉफ के नेतृत्व में और एएसआई कृष्ण की अध्यक्षता में टीम ने मोंटी और सागर निवासी सग्गा तरावड़ी को कोर्ट करनाल से प्रोडक्शन वारंट पर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरीशुदा गेहूं , तीन कट्टे जीरी , डीजल और वारदात में इस्तेमाल ऑल्टो कार एचआर 51 एएल 4269 बरामद की गई।

देश की संस्कृति का हब बना अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव देश की संस्कृति का हब बन गया है। इस उत्सव में ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर लगे क्रॉफ्ट मेलें एवं प्रदर्शनी में देश के हर राज्य की सांस्कृतिक विरासत को देखा जा सकता है। इस सांस्कृतिक विरासत को देखने के लिए देश ही नहीं विदेशों से भी पर्यटक खिंचे चले आ रहे हैं। समारोह में जहां हरियाणा, हिमाचल, पंजाब, उत्तराखंड, जम्मु कश्मीर, आसाम के कलाकार अपने-अपने प्रदेश की लोक संस्कृति की छटा को ब्रहमसरोवर के तट पर बिखेर रहे हैं, वहीं देश के कोने-कोने से आए शिल्पकार क्राफ्ट मेले में पर्यटक शिल्पकला से अपने आप को आत्मसात कर रहे हैं। पर्यटक सांस्कृतिक झरोखों के साथ-साथ शिल्पकला का आनंद ले रहे हैं। पर्यटकों के आनंद को दोगुणा करने का काम गुनगुनी धूप कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के पावन पर्व पर पवित्र ब्रह्मसरोवर के घाट कला और संस्कृति के अदभुत संगम स्थल बन गए है। इन पर्यटकों का उत्साह उस समय झलकता है जब विभिन्न प्रदेशों के वाद्य यंत्रों और लोक नृत्यों के साथ पर्यटक झूम उठते है। अहम पहलू यह है कि हरियाणा पैवेलियन में हरियाणा की ऐतिहासिक धरोहर संजोए बेजोड़ नमूने, हरियाणा की आन-बान-शान देहाती पगड़ी, हरियाणा के पारम्परिक व्यंजन, देशी ठाठ-बाट, रहन-सहन, खेत-खलिहान, मध्य प्रदेश के पवेलियन में झलकती सांस्कृतिक धरोहर इस महोत्सव के आनंद को ओर बढ़ाने का काम कर रही है।

हरियाणा पैवेलियन में प्राचीन विषय-वस्तुओं की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केन्द्र

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा आयोजित हरियाणवी पांडाल में पुरातन विषय-वस्तुओं की प्रदर्शनी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। यहां पर हरियाणवी रसोई में जहां एक ओर पुरातन बर्तनों का प्रदर्शन है वहीं पर दूसरी ओर प्राचीन सिक्के दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। इसके साथ ही यहां पर हरियाणा की लोक सांस्कृतिक विषय-वस्तुओं से जुड़ी हुई प्रदर्शनी भी पर्यटकों को आकर्षित कर रही है। युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक डॉ. महासिंह पूनिया ने बताया कि हरियाणा के पैवेलियन में इंडी प्रदर्शनी, चारपाई बुणाई प्रदर्शनी, धरोहर हरियाणा संग्रहालय प्रदर्शनी, चंगेरी प्रदर्शनी, इसके साथ ही पशुओं के लिए ताले के रूप में प्रयोग लाये जाने वाले न्यौल की प्रदर्शनी, हाथ से बनाये जाने वाली दरी की प्रदर्शनी, फुलझड़ी प्रदर्शनी, खेत में बिजाई के लिए प्रयोग की जाने वाले ओरणों की प्रदर्शनी, खेतों में किसानों

द्वारा ऊंचाई के स्थलों में पानी भरने के लिए प्रयोग की जाने वाली डायल की प्रदर्शनी इसके साथ ही घरों में दूध बिलोने के लिए प्रयोग की जाने वाल रई की प्रदर्शनी, इसके साथ ही अंग्रेजों से पहले अनाज को मापने के लिए प्रयोग किए जाने वाले अनाज मापकों की प्रदर्शनी इसके साथ ही हरियाणा के लोक परिधान के रूप में विख्यात हरियाणवी घाघरों एवं खारों की प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है।

स्लीपर बने पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में छत्तीसगढ़ से आए शिल्पकार गोपाल पर्यटकों के लिए स्वयं द्वारा तैयार की गई महिलाओं व पुरूषों की विशेष जूती लेकर आए है। यह स्लीपर देखने में काफी ही आकर्षक है और महोत्सव में आने वाले पर्यटक इन स्लीपर को खुब पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका स्टॉल नंबर 43 महोत्सव में 24 दिसंबर तक स्थापित रहेगा और महोत्सव में आने वाले पर्यटकों की मांग को पूरा करने का प्रयास करेगा। शिल्पकार गोपाल ने बातचीत करते हुए कुरुक्षेत्र की धर्मभूमि पर आकर अपनी शिल्पकला का प्रदर्शन करके मन को सुकून की अनुभूति होती है और वह अपने-आपको भाग्यशाली समझते है कि इस धरा पर आकर उन्हे भी कर्म करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा स्वयं हाथों से यह विशेष स्लीपर तैयार किए जाते है। उनके ग्रुप द्वारा इस कार्य में महिलाओं को रोजगार भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। उनका यह कारोबार उनके पूर्वजों की देन है और उनकी अगली पीढ़ी भी इस कार्य को आगे जारी रखने में सहयोग कर रही है।

आध्यात्मिक ज्ञान के लिए गीता के श्लोकों का करना होगा अनुसरण

पिहोवा। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार भारत भूषण भारती ने कहा कि धर्मनगरी पिहोवा का एक पौराणिक और आध्यात्मिक इतिहास रहा है। इस धरा पर जहां कई गुरूओं ने अपने पवित्र चरण डालकर इस धरती को पावन किया, वहीं भगवान श्रीकृष्ण ने मोह ग्रस्त अर्जुन को कुरूक्षेत्र की पावन धरा पर गीता का ज्ञान दिया। पवित्र ग्रंथ गीता के श्लोकों ने मानवता को आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान किया है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के पहले दिन देर सांय सरस्वती तीर्थ के तट पर आरती का आयोजन किया गया। उपमंडल पिहोवा के लोग अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के साथ-साथ आरती के साथ जुड़े तथा आनंदमय होकर आरती के भक्तिरस में डूबे। शंख ध्वनि के साथ आरंभ आरती में सभी लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया तथा स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस किया। राजनीतिक सलाहकार भारत भूषण भारती शुक्रवार को देर सायं सरस्वती तीथ पर गीता जयंती महोत्सव की महाआरती कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने सरस्वती तीर्थ की महाआरती और पूजा.अर्चना की तथा दीपशिखा प्रज्वलित कर विधिवत रुप से महाआरती का शुभारम्भ भी किया। इस सांस्कृतिक संध्या में सुप्रसिद्ध कलाकार ईश्वर शर्मा व हेमंत एंड पार्टी ने अपनी मधुर वाणी को अपने शब्दों में पिरोकर प्रस्तुत किया।

सरस्वती नदी के प्रोजेक्ट पर लोगों की जिज्ञासा

हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड द्वारा राज्यस्तरीय प्रदर्शनी में वैदिक नदी के इतिहास को दशार्ता एक मॉडल लगाया गया है। इस मॉडल के माध्यम से प्रतिदिन हजारों लोग सरस्वती के इतिहास की जानकारी प्राप्त कर रहे है। सरस्वती बोर्ड के द्वारा तैयार किया गया पूरे प्रोजेक्ट का मॉडल लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है और दूर-दूर से लोग इस मॉडल को देखकर जानकारी ले रहे है। हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच ने कहा कि सरस्वती नदी के बहाव चैनल को इस प्रोजेक्ट के माध्यम से बहुत ही सुंदर ढंग से दशार्ने का कार्य किया गया है। वे स्वयं और उनकी टीम महोत्सव में आने वाले पर्यटकों को सरस्वती के इतिहास की जानकारी देने का काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का सपना है कि सरस्वती फिर से धरातल पर बहे और केंद्र और राज्य सरकार निरंतर इस दिशा में कार्य करने का काम कर रही है।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र द्वारामहोत्सव में कानूनी जागरूकता के लिए स्टॉल नंबर 52-53 लगाई गई है, जहां पर मुफ्त कानूनी सहायता के साथ-साथ अन्य योजनाओं की भी जानकारी दी जा रही है। इस स्टॉल पर डीएलएसए द्वारा प्रश्नोतरी प्रतियोगिता भी रखी गई है । डीएलएसए के सीजेएम एवं सचिव नितिन राज ने कहा है कि डीएलएसए का उद्देश्य है स्टॉल के माध्यम से लोगों में कानूनी जागरूकता और प्रश्नों के प्रतियोगिता के माध्यम से ज्ञान को बढ़ाना है। प्रतियोगिता के विजेताओ को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित भी किया जा रहा है।

भारतीय योग संस्थान दे रहा रोगों से बचाव के टिप्स

भारतीय योग संस्थान रोहिणी दिल्ली की हरियाणा प्रांत इकाई के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में पावन ब्रह्मसरोवर की दक्षिण पूर्वी दिशा में स्थित देवयानी घाट के ऊपर एक योग द्वारा निशुल्क रोग उपचार शिविर लगाया गया है । संस्थान की हरियाणा प्रांत इकाई के प्रधान ओमप्रकाश ने बताया कि शिविर में विशेष प्रकार की सूक्ष्म क्रियाएं, योगासन, प्राणायाम व ध्यान साधना का अभ्यास करवाया जा रहा है ।

कंबाइन की टक्कर से होमगार्ड जवान और ग्रामीण की मौत

पानीपत। पानीपत के गांव उरलाना के पास शुक्रवार की देर रात एक कंबाइन और बाइक की भिड़ंत हो गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जहां से एम्बुलेंस की मदद से एक घायल व्यक्ति को पानीपत सिविल अस्पताल लाया गया। जबकि दूसरे को नजदीकी सफीदों के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। दोनों जगहों पर डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई। जिन्होंने पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। थाना मतलौडा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हादसा शुक्रवार देर रात मतलौडा थाना क्षेत्र के गांव उरलाना पावर हाउस के पास है। जहां संदिग्ध परिस्थितियों में बाइक और कंबाइन की आपस में भिड़ंत हो गई। इस सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 27 वर्षीय होमगार्ड कुलदीप व इसी गांव के निवासी गुरपाल के रूप में हुई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद कुलदीप व गुरपाल के शवों को उसके परिजनों को सौंप दिया और कंबाइन के चालक पर गैर इरादन हत्या के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं कुलदीप व गुरपाल की मौत से उनके परिजनों को रो रो का बुरा हाल है, जबकि इस घटना से गांव उरलाना में शोक छाया हुआ है। जबकि हादसा करने वाली कंबाइन का चालक फरार है ।

आउट एरिया का गन्ना लेने से किसानों में रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंद्री

इंद्री। पिकाडली शुगर मिल भादसों मे तोल कांटे को बंद कर नारेबाजी करते किसान ।

- किसानों ने किया मिल के तोल कांटे के कार्य को बंद

पिकाडली शुगर मिल भादसों द्वारा आउट एरिया का गन्ना लेने से खफा किसानों ने मिल के तोल कांटे को करीब 2 घंटे बंद रख कर मील प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की । गन्ना संघर्ष समिति के प्रधान रामपाल चहल व समिति सदस्यों ने बताया की भादसों शुगर मिल बाहरी क्षेत्र के गन्ने को खरीद रहा है जिसके चलते क्षेत्र के किसानों को गन्ने की बॉन्डिंग की पर्चियां समय पर नहीं मिलती । जिसे लेकर रोषजदा किसानों को मजबूरन तोल कांटे को बंद करना पड़ा । तोल कांटे के बंद होने पर मिल प्रशासन की ओर से राज सिंह व केन मैनेजर कर्म सिंह ने मौके पर पहुंचकर किसानों को समझाया लेकिन किसान बाहरी गन्ने को बंद करने की मांग पर अड़े रहे जिसके बाद मिल के अधिकारियों ने किसानों को आश्वासन दिया कि शुगर मिल में आउट एरिया का गन्ना नहीं लिया जाएगा इसके बाद किसानों ने मिल के तोल कांटे पर तोल के कार्य को शुरू करवा दिया । समिति प्रधान रामपाल चहल व किसानों ने बताया कि 15 दिसंबर को एसडीएम कार्यालय में इंद्री के एसडीएम के साथ मिल प्रबंधकों व गन्ना संघर्ष समिति के सदस्यों के साथ मीटिंग हुई थी जिसमें किसानों ने मिल मे बाहरी क्षेत्र का गन्ना नही लेने सहित कई मांगे रखी थी जिसपर मिल के केन मैनेजर कर्म सिंह ने किसानों को आश्वासन दिया था कि मिल बाहरी क्षेत्र का गन्ना नही लिया जाएगा लेकिन मिल उसके बाद भी बाहरी गन्ने को ले रहा है । जिससे रोषजदा किसानों को मिल का तोल कांटा बंद करना पड़ा । उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र मिल ने किसानों की मांगों को पूरा नहीं किया तो वे आंदोलन छेडने पर मजबूर होंगे जिसकी पूरी जम्मिेवारी प्रशासन की होगी । इस मौके पर तेजपाल, बलकार, मनजीत चौगावा, महेंद्र, भूपेन्द्र व रिषीपाल खेडा सहित काफी संख्या मे किसान मौजूद रहे ।

हत्या के केस में 24 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए टू पुलिस ने थाना इसराना क्षेत्र के अंतर्गत लौहारी गांव में हुई गौवरधन की हत्या मामले में 24 साल से फरार चल रहे आरोपी राममेहर निवासी गांव लौहारी जिला पानीपत को गिरफ्तार कर लिया है। थाना इसराना प्रभारी इंस्पेक्टर बलराज ने बताया कि थाना इसराना में गांव लौहारी निवासी भीमा पुत्र भरतू की शिकायत पर 19 मई 1999 को गौवरधन की हत्या के आरोप में बलबीर व चंद्र पुत्र हरिचंद, नन्हा पुत्र श्रीचंद व राममेहर पुत्र चंद्र के खिलाफ केस दर्ज करवाया था। थाना इसराना पुलिस ने गौवरधन की हत्या के आरोप में बलबीर, चंद्र, नन्हा व राममेहर को गिरफ्तार किया । इधर, दस माह बाद चारों आरोपियों की कोर्ट से जमानत हो गई। जेल से बाहर आने पर राममेहर फरार हो गया था। न्यायालय ने हत्यारोपी राममेहर को 15 जुलाई सन- 2002 को भगौडा घोषित कर दिया था। जबकि अदालत ने गौवरधन की हत्या के दोष में बलबीर, चंद्र व नन्हा को चार दिसंबर 2003 को उम्र कैद की सजा सुनाई थी। इंस्पेक्टर बलराज ने बताया कि सीआईए टू पुलिस ने गुप्त सूचना पर दबिश देकर फरार आरोपी राममेहर को दिल्ली से गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी हासिल की।

- सीआईए टू ने दिल्ली से पकडा, आरोपी के तीन परिजनों को हो चुकी है उम्रकैद

परेशानी

किसानों ने लगाया आए दिन रास्तों पर मलबा डालकर अवरुध करने का आरोप

खेतों से गन्ना ढ़ुलाई करने में किसानों को आ रही परेशानी

आवर्धन नहर नवीनीकरण का कार्य किसानों के लिए बनने लगा परेशानी का सबब

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर के जठलाना क्षेत्र के गांव नाचरौन के किसानों के खेतों के रास्ता मिट्टी व रोड़ा आदि डाले जाने से अवरुध हुआ दिखाई देता हुआ।

दक्षिणी हरियाणा के खेतों की प्यास बुझाने के लिए वर्ष 1971 में तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल सरकार द्वारा बनाई गई आवर्धन नहर पर पिछले कई महीने से नवीनीकरण का कार्य चल रहा है। मगर यह नवीनीकरण का कार्य आवर्धन नहर के साथ लगते किसानों के लिए परेशानी का सबब बनने लगा है। कारण बताया जा रहा है कि नहर से खुदाई करके मिट्टी को किसानों के खेतों में जाने वाले रास्तों पर डालकर अवरुध करके उन्हें परेशान किया जा रहा है। किसानों ने सरकार से किसानों के खेतों में जाने वाले रास्तों को मिट्टी डालकर अवरुध नहीं किए जाने की मांग की। आवर्धन नहर के साथ लगते खेतों के किसान पवन कुमार, डॉ. लाभ सिंह, कुलदीप सिंह, प्रदीप सिंह, गुलाब सिंह व राजू आदि का कहना है कि पिछले कई महीने से आवर्धन नहर पर नवीनीकरण का कार्य चल रहा है। तत्कालीन हरियाणा सरकार से जब आवर्धन नहर बनाई थी, उस समय किसानों को उनके पंचायती रास्तों को तोड़कर उनमें नहर की खुदाई तो कर दी, मगर उन्हें पुल की सुविधा नहीं दी गई। किसान अपने खेतों में नहर की पटरी का रास्ते से होकर अपने खेतों में आते जाते रहे हैं। उस समय किसानों ने सरकार से उनके पंचायती रास्तों पर पुल बनाकर दिए जाने की मांग की गई। तब सरकार ने उन्हें नहर की पटरी का रास्ता प्रयोग करने के लिए अनुमति दी गई। अब नहर के नवीनीकरण का फिर से कार्य किया जा रहा है। जिसके दौरान नहर से मिट्टी खुदाई करके किसानों के खेतों में जाने वाले रास्तों को अवरुध करके उन्हें परेशान करने का काम किया जा रहा है। इस संबंध में संबंधित विभाग के अधिकारियों व ठेकेदार को रास्ता अवरुध नहीं करवाए जाने के लिए अवगत करवाया गया। मगर फिर रास्तों को अवरुध करके उन्हें परेशान किया जा रहा है। उन्होंने सरकार से किसानों को या तो उनके पंचायती रास्तों पर पुल बनाकर दिए जाने या फिर उन्हें पहले से दिए गए रास्तों को अवरुध नहीं किए जाने की मांग की है।

किसानों को नहीं आने देंगे कोई समस्या

सिंचाई विभाग के एसडीओ रविंद्र सिंह का कहना है कि किसानों की समस्या से वह अवगत हैं। उन्हें कोई समस्या नहीं आने देंगे। रास्तों पर जहां मिट्टी आदि डाली गई है, वहां से रास्तों को ठीक करवा दिया जाएगा और उन्हें अपने खेतों से गन्ना आदि की फसल बाहर निकालने में कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

सिर में डंडा मारकर लूटने वाले गिरोह का भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। पुलिस हत्थे चढ़ा लूटपाट करने वाले गिरोह के सदस्य।

नेशनल हाइवे पर लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले एक गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ ने किया है। पकड़े गए छह आरोपी रास्ता रोककर राहगीर के सिर पर डंडा मारकर लूट लेते थे। आरोपियों ने अभी तक की पूछताछ में ऐसी पांच वारदातों को अंजाम देने का अपराध कबूला है। शुरूआती पूछताछ में पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से आठ मोटरसाइकिल के साथ कई मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। दूसरी वारदातों के सिलसिले में अब पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान रतनगढ़ के सोनू, सावन विहार कांवला के संदीप कुमार उर्फ सन्नी , अंबे विहार कॉलोनी के प्रदीप कुमार उर्फ टाकी , तेजा मोहड़ी गांव का राजबीर सिंह उर्फ लाडी, रतनगढ़ कॉलोनी के विजय व सौंडा के गुरतेज सिंह के तौर पर हुई है। इन आरोपियों ने 16 दिसंबर को नग्गल थाना एरिया में लूट की वारदात को अंजाम दिया था। पूछताछ में आरोपियों ने 28 नवंबर 2023 भी ऐसी ही वारदात को अंजाम देने की बात कबूली है। इस वारदात में इस्तेमाल दो बाइक के साथ आरोपियों के कब्जे से सीआईए ने तीन डंडे व शाहबाद से चारी एक बाइक भी कब्जे में ली है। आरोपियों से पुलिस ने एक छीनी गई बाइक भी जब्त की है। 11 अक्तूबर 2023 को भी आरोपियों ने ऐसी ही वारदात को अंजाम दिया था। इस वारदात में छीनी गई मोटरसाइकिल भी पुलिस ने जब्त की है।

- 6 सदस्यों से 8 मोटरसाइकिलें जब्त

खबर संक्षेप

यमुनानगर के होली मदर पब्लिक स्कूल में क्रिसमिस पर्व मनाने बच्चे।

स्नो इज फॉलिंग एवं जिंगल बैल गानों पर किया डांस

यमुनानगर। शहर के होली मदर पब्लिक स्कूल में शनिवार को क्रिसमस का त्यौहार मनाया गया। कक्षा नर्सरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। कक्षा नर्सरी से केजी के बच्चों ने स्नो इज फॉलिंग एवं जिंगल बैल आदि गानों पर डांस किया। बच्चे सैंटा क्लाज की वेशभूषा में आकर्षक लग रहे थे। बच्चों ने सैंटा क्लाज बनकर सभी विद्यार्थियों व अध्यापकों को चॉकलेट एवं गिफ्ट बांटे।

चोरों ने चार स्थानों को बनाया निशाना

यमुनानगर। जिले में चोरों ने अलग-अलग चार स्थानों को निशाना बनाकर 90 हजार रुपये की नकदी समेत लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया। कमला नगर कॉलोनी निवासी हिमांशु सिंगला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके घर से जेवरात व 80 हजार रुपये गायब मिले। उधर, किशनपुरा माजरा निवासी विशाल ने बताया कि रविदास मंदिर में रखे गुल्लक से दस हजार चुरा लिया। वहीं, जवाहरनगर निवासी गणेश की बिंद्रा गार्डन में इलेक्ट्रिकल की दुकान है। चोरों ने बीती रात उनकी दुकान का शटर तोड़कर मोटर, छह पंखे सहित अन्य सामान चोरी कर लिया।

युवकों ने दो दोस्तों को पीटकर किया घायल

यमुनानगर। शहर की लाजपत नगर कॉलोनी में आधा दर्जन से अधिक युवकों ने दो दोस्तों को पीटकर घायल कर दिया। लाजपत नगर कॉलोनी निवासी जानू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने दोस्त विजय के साथ अपने घर के बाहर खड़ा था। इस दौरान चार बाइकों पर सवार होकर आठ युवक आए। आरोपियों ने आते ही उन दोनों पर हमला कर दिया। मारपीट की आवाज सुनकर जब अन्य लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी उनकी जेब से चार हजार व मोबाइल छीनकर फरार हो गए।

जिलास्तरीय गीता जयंती महोत्सव के दूसरे दिन नगर में निकाली भव्य शोभायात्रा

समाज में जन जन तक गीता का संदेश पहुंचाना वर्तमान समय की है जरूरत: अरोड़ा

- सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने शोभायात्रा का किया शुभारंभ
- भव्य शोभा यात्रा में कलश यात्रा के साथ हजारों श्रद्धालुओं ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। गीता जयंती के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा में वाहनों में सवार होकर ढ़ोल की थाप पर भजन गाते हुए आगे बढ़ते हुए श्रद्धालु व यात्रा में घोड़ों पर सवार होकर आगुवाई करती हुई महिला शक्ति व गीता जयंती के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा में कलश लेकर भाग लेते हुए महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

जिला प्रशासन व सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गीता जयंती के अवसर पर चल रहे जिलास्तरीय गीता महोत्सव के दूसरे दिन नगर में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा को यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने झंडी दिखाकर रवाना किया। शोभा यात्रा की शुरुआत मंत्रो उच्चारण के साथ की गई।

शोभायात्रा नगर के रेलवे मार्ग स्थित महाराजा अग्रसेन चौक से शुरु होकर शहीद भगत सिंह चौंक, प्यारा चौक से होती हुई नेहरू पार्क, माडल टाऊन के रास्ते मुख्य कार्यक्रम स्थल दशहरा ग्राऊंड में सम्पन्न हुई। जहां पर जिला के अधिकारियों व गणमान्य लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत व श्रीमद्भागवत गीता को श्रद्धा पूर्वक नमन किया। खास बात यह रही कि शोभा यात्रा में श्रीमद्भागवत गीता ग्रंथ की भव्य यात्रा में पालकी रखी गई। इस झांकी में विभिन्न विभागों के साथ साथ सामाजिक,धार्मिक संस्थाओं की झांकियों के माध्यम से जीवन में गीता के संदेश की उपयोगिता व सामाजिक संदेशों को दर्शाया गया। झांकियों में श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति की झांकी व जीओ गीता की ओर से नीरू चौहान का नगर कीर्तन, शनि धाम संस्थान की झांकी, श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर विष्णु नगर की झांकी, सहज योग यमुनानगर, नगर कीर्तन, बैंड व स्वास्थ्य विभाग समेत नगर कीर्तन बैंड बाजों की धूनों पर हजारों श्रद्धालुओं ने झूमकर आनंद लिया।

मौके पर मेयर मदन चौहान, उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार, एसडीएम यश जालुका, सीटीएम पीयूष गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी सुमन बहमनी, सीडीपीओ कुसुम व किरण व आयुर्वेदिक अधिकारी विनोद पुंडीर आदि मौजूद रहे।

गीता का संदेश जन जन तक पहुंचाना जरूरी

मुख्यातिथि एवं सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि समाज में जन जन तक गीता का संदेश पहुंचाना आज समय की जरूरत है। गीता जी हमें फल की चिंता किए बिना कर्म करने का संदेश देती है। जब व्यक्ति गीता के संदेश का मर्म समझ लेता है तब उसे जीवन में किसी से भय नहीं रहता है। निष्काम कर्म करने वाले व्यक्ति को निश्चित ही ऐच्छिक फल की प्राप्ति होती है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने यही संदेश दिया है कि जो व्यक्ति केवल फल की चिंता करता है और कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण नहीं कर पाता है उसे कर्म का पूरा फल नहीं मिल पाता है।

यमुनानगर। गुरु नानक खालसा कॉलेज में गीता जयंती के अवसर पर सामूहिक श्लोक उच्चारण करते हुए विद्यार्थी, शिक्षक व अन्य स्टॉफ सदस्य।

विद्यार्थियों ने श्लोक उच्चारण करके मनाया गीता जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर द्वारा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार शनिवार को कॉलेज में गीता जयंती के अवसर पर श्लोक उच्चारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों व स्टॉफ सदस्यों ने श्रीमद्भागवत गीता के सामूहिक रुप से श्लोकों का उच्चारण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज प्राचार्य डॉ. मेजर एचएस कंग ने किया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. मेजर एचएस कंग ने बताया कि कॉलेज में शनिवार को विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रुप से विश्व शांति, सद्भावना, सर्वत्र, सुख, समृद्धि, पर्यावरण शुद्धि व राष्ट्र गौरव वृद्धि के लिए गीता जयंती के अवसर पर श्रीमद्भागवत गीता के श्लोकों का उच्चारण कर पाठ किया गया। यह उच्चारण संस्कृत विभाग की प्रो. शालिनी द्वारा करवाया गया। इस दौरान एक समानांतर पहल में इतिहास विभाग, सामाजिक कार्य विभाग और संस्कृत विभाग ने दशहरा मैदान यमुनानगर में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के लिए छात्रों के लिए एक मनोरम दौरे का आयोजन किया। शासी निकाय और प्रबंध समिति के अध्यक्ष सरदार रणदीप सिंह जौहर ने न केवल शैक्षणिक कौशल बल्कि सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता की सराहना की।

इस अवसर पर संकाय सदस्य डॉ. कमलप्रीत कौर, डॉ. बोधराज, डॉ. इकबाल, डॉ. रणजीत सिंह, डॉ. तिलक राज, डॉ. विनय चंदेल,प्रो. जसप्रीत सिंह व प्रो. विशाल आदि मौजूद रहे।

ट्विन सिटी को गंदगी व सीएंडडी वेस्ट के ढेरों से जल्द करें मुक्त: मेहरा

- संयुक्त निगम आयुक्त नीलम मेहरा ने ट्विन सिटी में किया सफाई अभियान का निरीक्षण
- अधिकारियों को शहर को गंदगी व सीएंडडी वेस्ट के ढेरों से जल्द मुक्त करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर में सफाई अभियान का निरीक्षण करते हुए संयुक्त निगम आयुक्त नीलम मेहरा।

ट्विन सिटी यमुनानगर में नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे विशेष सफाई अभियान का शनिवार को संयुक्त निगम आयुक्त नीलम मेहरा (एचसीएस) ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दोनों मुख्य सफाई निरीक्षकों, सफाई निरीक्षकों व सीएंडडी वेस्ट उठाने में जुटे इंजीनियरिंग ब्रांच के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। अभियान में जुटे सभी अधिकारियों को ट्विन सिटी को गंदगी व सीएंडडी वेस्ट के ढेरों से मुक्त करने के निर्देश दिए। वहीं, उन्होंने आमजन से खुले में गंदगी न फैलाने की अपील की।

शनिवार सुबह संयुक्त निगमायुक्त नीलम मेहरा (एचसीएस)ट्विन सिटी में सफाई अभियान का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान अंबाला रोड, जगाधरी रोड, जगाधरी पांवटा रोड, रेलवे रोड व अन्य मार्गों पर विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी मुख्य मार्गों को सुंदर बनाने के लिए सड़क किनारे पड़ी गंदगी को साफ करने और सीएंडडी वेस्ट उठाने के निर्देश दिए। जिसके बाद संबंधित अधिकारियों ने इन स्थानों को तुरंत साफ कराया। उन्होंने इंजीनियरिंग ब्रांच के अधिकारियों को भी शहर में लगे सीएंडडी वेस्ट अर्थात निर्माण व विध्वंस सामग्री के ढेर को जल्द से जल्द उठाकर सीएंडडी वेस्ट मुक्त करने के निर्देश दिए।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

- महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगधारी में पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन का किया आयोजन
- महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीके बाजपेयी ने कार्यक्रम का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी में शनिवार को भूतपूर्व विद्यार्थी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में कॉलेज प्रबंधन समिति के महासचिव डॉक्टर अश्वनी गोयल ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीके बाजपेयी ने की। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रुप में एलुमनाई एसोसिएशन के प्रधान सुरेश गर्ग, उपप्रधान आशीष मित्तल, प्रोफेसर मेहताब सिंह व अंकित मक्कड़ ने भाग लिया। समारोह का संचालन डॉक्टर अनीता ढींगरा, समन्वयक डॉक्टर सीमा गुप्ता व सह प्रभारी प्रोफेसर हेमराज द्वारा किया गया।

यमुनानगर। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी में आयोजित भूतपूर्व विद्यार्थी सम्मेलन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते हुए विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

प्राचार्य डॉ. पीके बाजपेयी ने सर्वप्रथम कार्यक्रम में महाविद्यालय के विकास कार्यों,विभिन्न गतिविधियों से संबंधित संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि कोई भी संस्था भूतपूर्व विद्यार्थियों के सहयोग, उनके आशीर्वाद और उन द्वारा दी गई आर्थिक एमानसिक सहायता व सहयोग के बल पर आने वाले विद्यार्थियों के लिए कैरियर का रास्ता खोलती हैं। मौके पर समारोह की प्रभारी डॉक्टर सीमा गुप्ता द्वारा आए हुए सभी विद्यार्थियों व अतिथियों का स्वागत किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने मचाया धमाल

भूतपूर्व विद्यार्थी सम्मेलन में विद्यार्थियों ने गीत, संगीत, नृत्य व चुटकलों की प्रस्तुतियां देकर सभी पूर्व विद्यार्थियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान पूर्व विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में बिताए गए दिनों को याद करते हुए वर्तमान विद्यार्थियों को अपने संस्मरण बताए। उन्होंने अपने गुरुजनों को याद करते हुए अपने कार्य और उसकी सफलता की मूल कड़ी प्रस्तुत की। ऐसे में सभी ने लगभग अपने कैरियर में आने वाली बाधाओं और सफलता के लिए प्रेरक रहे गुरुजनों को सराहा।

मौके पर गुरुप्रीत सिंह सोढ़ी व उनके साथियों ने भांगड़ा करके सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर पूर्व छात्र नरेंद्र मखीजा द्वारा करीब 142 बार रक्तदान करने के लिए उनकी सराहना की गई। वहीं, भूतपूर्व प्राध्यापकों में डॉक्टर वधावन , प्रोफेसर सुभाष चंद्र ढींगरा व डॉ.बहादुर सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

तुलसी के पौधे की पूजा कर मनाया गीता जयंती उत्सव

रादौर। रादौर की शिव कॉलोनी स्थित दून इंटरनेशनल सिग्नस वर्ल्ड स्कूल में शनिवार को गीता जयंती व तुलसी पूजन दिवस मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने तुलसी के पौधे की पूजा व गीता के श्लोकों का उच्चारण व उनका अर्थ समझाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रिंसिपल नेहा मेहता ने तुलसी पूजा कर किया।

प्रिंसिपल नेहा मेहता ने बताया कि तुलसी का पौधा एक औषधीय पौधा है। जिसके स्पर्श मात्र से ही बीमारियां दूर हो जाती है। हमारे ऋषि मुनियों ने सोच समझकर ही तुलसी की पूजा का विधान बनाया है। तुलसी के पौधे का देवताओं ने भी सम्मान किया है। उन्होंने बताया कि एक बार भगवान श्रीकृष्ण की भूख शांत नहीं हो रही थी। तभी द्रौपदी ने उन्हें तुलसी का एक पत्ता खिलाकर उनकी भूख को शांत किया था। सभी को अपने घरों में तुलसी का पौधा अवश्य लगाना चाहिए।

क्षतिग्रस्त सड़क को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

- वर्षों से क्षतिग्रस्त पड़ी है रादौर-बापा सड़क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर। क्षतिग्रस्त पड़े रादौर-बापा मार्ग को लेकर प्रदर्शन करते हुए ग्रामीण।

जिले के रादौर-बापा मार्ग के वर्षों से क्षतिग्रस्त पड़ा होने के विरोध में शनिवार को क्षेत्र के ग्रामीणों ने एकत्र होकर प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारे लगाए और सड़क को तुरंत ठीक करवाए जाने की मांग की। शनिवार सुबह क्षेत्र के ग्रामीण देव बापौली, मुकम, जसबिंदर, सोनी, सुरेश, नितिन, रणसिंह, सागर, राजेश, सरदारी, गोलू, मोनिका, पदम, संजीव, राकेश, हिशम व प्रवीण आदि दर्जनों ग्रामीण क्षतिग्रस्त सड़क पर एकत्र हो गए और प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने करीब एक घंटे तक सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपना रोष जताया। मौके पर उक्त ग्रामीणों ने कहा कि यमुनानगर व कुरुक्षेत्र जिले को आपस में जोड़ने वाला रादौर-बापा मार्ग पिछले कई वर्षों से क्षतिग्रस्त पड़ा है। बार बार शिकायत करने पर भी सरकार व प्रशासन की ओर से क्षतिग्रस्त पड़े सड़क मार्ग को न बनाये जाने से ग्रामीणों में सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है। उन्होंने कहा कि यह सड़क मार्ग टूटकर गड्ढो में तबदील हो चुका है। मगर आज तक इस सड़क मार्ग की सुध नहीं ली गई। सड़क बनाने की मांग को लेकर कई बार क्षेत्र के लोग पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से मिले। लेकिन उन्हें अधिकारियों से केवल कोरे आश्वासन ही मिल सके हैं। जिसका खामियाजा क्षेत्र के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। टूटे सड़क मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। उनकी मांग है कि सरकार व प्रशासन की ओर से इस सड़क मार्ग को जल्द से जल्द बनवाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि क्षतिग्रस्त सड़क को जल्द नहीं बनवाया गया तो क्षेत्र के ग्रामीण अनिश्चितकालीन आंदोलन छेड़ने पर मजबूर हो जाएंगे।

भाकिसं प्रदेश में बनाएगा तीन लाख नए सदस्य:चौहान

रादौर। भारतीय किसान संघ द्वारा रादौर क्षेत्र में शनिवार को सदस्यता अभियान चलाया गया। जिसका नेतृत्व संघ के प्रांतीय महामंत्री रामवीर चौहान ने किया। संघ के प्रांतीय महामंत्री रामबीर सिंह चौहान ने बताया कि शनिवार को संघ द्वारा गांव संधाला, संधाली, लाल छप्पर, उन्हेड़ी व गुमथला में सदस्यता अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि भारतीय किसान संघ इस वर्ष प्रदेश में तीन लाख सदस्य बनाएगा प्रदेश के 6 हजार गांवों में ग्राम समितियों का गठन करके किसान संघ का एक मजबूत संगठन खड़ा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय किसान संघ के संगठन का मुख्य आधार ग्राम समितियां हैं। इस अवसर पर प्रदेश संगठन मंत्री सुन्दर लाल, प्रांतीय गन्ना आयाम प्रमुख प्रताप सिंह खजूरी व शिवकुमार संधाला आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम | **शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने लोगों से किया सीधा संवाद**

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत गांव मुंडा खेड़ा में आयोजित किया जनसंवाद कार्यक्रम

जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा योजनाओं का लाभ : कंवरपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर के जगाधरी क्षेत्र के गांव मुंडा माजरा में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में लाभपात्रों को बुढ़ापा पैंशन के प्रमाण पत्र भेंट करते शिक्षा मंत्री कंवरपाल।

हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने कहा कि जनसंवाद कार्यक्रमों का मुख्य उदेश्य पंक्ति में अंतिम खड़े व्यक्ति तक केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभ को पहुंचाना है। उन्होंने गांव मुंडा खेड़ा में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में ग्रामीणों को केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। मौके पर उन्होंने ग्रामीणों को विकसित भारत की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने जनसंवाद कार्यक्रम में बनी बुढ़ापा पैंशन के प्रमाण पत्र लाभपात्रों के वितरित किए।

शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में हरियाणा में सभी जगहों पर समान रूप से विकास कार्यों को करवाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनसंवाद कार्यक्रमों के तहत लोगों को उनके घर द्वार पर योजनाओं का लाभ मिल रहा है। केंद्र व प्रदेश सरकार की सोच है कि पंक्ति में अंतिम खड़े व्यक्ति के पास योजनाओं का लाभ पहुंचना चाहिए। मौके पर उन्होंने जनसंवाद कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉलों की अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा में जहां लोगों को योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ दिलवाने का काम किया जा रहा है। वहीं लोगों की पैंशन से संबन्धित समस्याएं, परिवार पहचान पत्र से सम्बन्धित समस्या या अन्य कोई भी समस्या है उसके बारे में जानकर अधिकारियों द्वारा उन समस्याओं का निवारण भी किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने जनसंवाद कार्यक्रम में बनाई गई बुढ़ापा पैंशन के प्रमाण पत्रों को लाभार्थियों को भेंट किया। वहीं, परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट स्थान हासिल करने वाले बच्चों को सम्मानित किया। मौके पर उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में करवाए गए करोड़ों रुपये के विकास कार्यों को भी गिनवाया। इस अवसर पर एसडीएम बिलासपुर जसपाल सिंह गिल, मुंडाखेडा सरपंच सुमन,भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष निशचल चौधरी, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग व डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. वागीश गुटैन आदि मौजूद थे।

ऑनलाइन पोर्टल से नागरिकों को घर बैठे ही मिल रहा है योजनाओं का लाभ: सपरा

- विकसित भारत संकल्प यात्रा का जिले के गांव लाक्कड़, नवाजपुर, भीलपुरा, कन्यावाला में ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। लाक्कड़ में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉलों का अवलोकन करते हुए मुख्यातिथि।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का शनिवार को जिले के गांव लाक्कड़, नवाजपुर, भीलपुरा, कन्यावाला में पहुंचने पर ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। यात्रा के दौरान आयोजित जनसंवाद कार्यक्रमों में मुख्यातिथि के रुप में भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने भाग लिया। उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से अवगत करवाया। मौके पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉलों का निरीक्षण किया और बुढ़ापा पेंशन के प्रमाण पत्रों को लाभपात्रों को भेंट किया।

मुख्यातिथि एवं भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने गांव लाक्कड समेत अन्य गांवों में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रमों में कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा आमजन के हित में अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। जिनका जनता को सीधा लाभ नागरिकों को मिल रहा है। योजनाओं के ऑनलाइन होने से अब घर बैठे ही लोगों के काम हो रहे हैं। इस अवसर पर एसडीओ विनोद कुमार, सरपंच लाक्कड़ सुरेन्द्र, सरपंच नवाजपुर संजीव, पूर्व सरपंच लाक्कड़ चौ.बीरम सिंह व जिला परिषद सदस्य जयचंद आदि मौजूद रहे।

गीता स्थली ज्योतिसर से गीता के उपदेशों से मिल रहा है शांति का संदेशः मनोहर

सीएम, असम के मुख्यमंत्री हिमांता बिसवा सारमा, सुभाष सुधा ने गीता स्थली ज्योतिसर में किया गीता पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गीता स्थली ज्योतिसर में हजारो वर्ष पूर्व भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म के मार्ग पर चलने के लिए गीता के उपदेश दिए थे। इस गीता स्थली ज्योतिसर से आज भी उपदेशों के माध्यम से पूरे देश का शान्ति का संदेश मिल रहा है। जो व्यक्ति जो देश उपदेशों का अनुसरण करेगा वे निश्चित ही तरक्की करेगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल शनिवार को अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2023 में गीता स्थली ज्योतिसर में पवित्र ग्रंथ गीता की पूजा अर्चना करने के लिए पहुंचे। इससे पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल, असम के मुख्यमंत्री हिमांता बिसवा सारमा, विधायक सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार भारत भूषण भारती, भाजपा महामंत्री डॉ. पवन सैनी ने सरकार की तरफ से करीब 206 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे ज्योतिसर अनुभव केन्द्र का अवलोकन किया और यहां पर असम के मुख्यमंत्री को प्रदेश सरकार के इस

कुरुक्षेत्र। यज्ञ में पूर्णाहुति डालते मुख्यमंत्री मनोहर लाल व असम के मुख्यमंत्री हिमांता बिसवा सारमा।

प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल व असम के मुख्यमंत्री हिमांता बिसवा सारमा ने गीता जयंती पर चल रहे यज्ञ में पूर्णाहुति डाली और विश्व शान्ति के लिए पूजा की। इसके उपरांत पवित्र ग्रंथ गीता का पूजन किया और जिस वट वृक्ष के नीचे हजारो वर्ष पहले भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन का मोह भंग करने के लिए उपदेश दिए थे उस वटवृक्ष को भी देखा। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप को देखा और सभी मेहमानों के साथ यादगारी फोटो करवाया। इस दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस तीर्थ स्थल के सौंदर्यीकरण और आध्यात्मिक दृष्टि से कुछ सुधार करने के लिए अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने विचारों को सांझा करते हुए कहा कि इस पवित्र धरा पर आने वाले व्यक्ति के सारे पाप दूर हो जाते हैं और उसे पुण्य की प्राप्ति होती है। इसलिए इस पवित्र स्थल और तीर्थ को विकसित करने के लिए प्रदेश सरकार की तरफ से महाभारत थीम पर आधारित एक भव्य प्रोजेक्ट तैयार

कुरुक्षेत्र। ज्योतिसर अनुभव केन्द्र प्रोजेक्ट का अवलोकन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल व असम के मुख्यमंत्री हिमांता बिसवा सारमा।

किया। यह प्रोजेक्ट मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म द्वारा सेक्शन किया गया और स्वदेश दर्शन योजना के तहत श्रीकृष्ण सर्किट के अंतर्गत 8054.70 लाख रुपए का बजट पारित किया। इस बजट से ब्रह्म सरोवर, ज्योतिसर, नरकातारी, सन्निहित सरोवर व शहर के सौंदर्यीकरण पर खर्च किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने ज्योतिसर में महाभारत थीम पर आधारित भवन, आर्टिस्टिक प्रदर्शनी, थीमेटिक, मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट के लिए 205.58 करोड़ रुपए का बजट पारित किया।

शंखनाद व गीता महाआरती के बीच मुख्यमंत्री ने महापूजन के साथ किया ब्रह्मसरोवर पर दीपदान

कुरुक्षेत्र। भगवान श्रीकृष्ण की कर्मस्थली कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में मुख्यमंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय सरंक्षक दिनेश, विधायक सुभाष सुधा ने शंखनाद और मंत्रौच्चारण के बीच सन्निहित सरोवर पर गीता महापूजन के साथ ब्रहमसरोवर के पावन तट पर दीपदान किया। इस दीपदान के साथ ही परम्परा अनुसार अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2023 पर जयंती कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस महाआरती की संध्या में दीपोत्सव मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा। दीपोत्सव में जहां सन्निहित सरोवर और ब्रहमसरोवर के पावन तट पर हजारों दीपक जलाएं वहीं कुरुक्षेत्र और 48 कोस के तीर्थ स्थलों पर भी दीपक जलाए गए। इस समापन समारोह पर दीपोत्सव का यह दृश्य अदभुत और मनमोहक रहा। इस दौरान हवा में रंग-बिरंगे हिंडोले भी छोड़े गए और आतिशबाजी का नजारा भी देखने लायक था।

दीपोत्सव में रंग-बिरंगे हिंडोले व ग्रीन आतिशबाजी भी बनी आकर्षण का केन्द्र

उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2023 के दीपदान समारोह पर सांध्यकालीन आरती के तुरंत बाद ब्रहमसरोवर के तट से रंग-बिरंगे हिंडोल छोड़े गए और ग्रीन आतिशबाजी की गई। इस ग्रीन आतिशबाजी से निकलने वाली रोशनी ने ब्रहमसरोवर की फिजा को रंगीन कर दिया। इस महोत्सव में सरस, शिल्प मेला तथा मुख्य मंच के सांस्कृतिक कार्यक्रम 24 दिसंबर तक जारी रहेंगे।

कुरुक्षेत्र। जयराम विद्यापीठ में भागवत पुराण की कथा के समापन अवसर पर व्यासपीठ पर आरती एवं पूजन करते हुए परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरुप ब्रह्मचारी, कथावाचक आचार्य श्याम भाई ठाकर व अन्य।

संकट में काम आने वाला ही परम मित्र : आचार्य श्याम भाई ठाकर

कुरुक्षेत्र। ब्रह्मसरोवर के तट पर श्री जयराम विद्यापीठ परिसर में गीता जयंती महोत्सव 2023 के अवसर पर चल रही श्रीमद् भागवत पुराण की कथा का विधिवत मंत्रोच्चारण, पूजन तथा आरती के साथ समापन हो गया। कथा के समापन पर व्यासपीठ पर देशभर में संचालित श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी के सान्निध्य में व्यासपीठ पर आरती की गई। कथा के अंतिम दिन व्यासपीठ पर विराजमान भागवत भास्कर आचार्य श्याम भाई ठाकर ने मधुर संगीतमयी शैली में भगवान कृष्ण के घटनाक्रमों का वर्णन कर श्रद्धालुओं को कृष्ण भक्ति में झूमने पर मजबूर कर दिया।

भगवान श्रीकृष्ण ने देवराज इंद्र का अहंकार किया नष्ट

कुरुक्षेत्र। गीता जयंती के पावन अवसर पर श्री गो गीता गायत्री सत्संग सेवा समिति के तत्वावधान में ज्योतिसर तीर्थ में शुरू हुए संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के छठे दिवस पर संस्थापक अध्यक्ष भागवत प्रवक्ता कथावाचक अनिल शास्त्री ने इंद्रदेव का प्रसंग सुनाया। एक बार इंद्रदेव को अभिमान हो गया, तब लीलाधारी श्री कृष्ण ने एक लीला रची। एक दिन श्री कृष्ण ने देखा कि सभी ब्रजवासी तरह-तरह के पकवान बना रहे हैं। पूजा का मंडप सजाया जा रहा है और सभी लोग प्रातःकाल से ही पूजन की सामाग्री एकत्रित करने में व्यस्त हैं। तब श्री कृष्ण ने योशदा जी से पूछा, "मईया" ये आज सभी लोग किसके पूजन की तैयारी कर रहे हैं, इस पर मईया यशोदा ने कहा कि पुत्र सभी ब्रजवासी इंद्र देव के पूजन की तैयारी कर रहे हैं। तब कन्हैया ने कहा, कि सभी लोग इंद्रदेव की पूजा क्यों कर रहे हैं, तो माता यशोदा उन्हें बताते हुए कहती हैं, क्योंकि इंद्रदेव वर्षा करते हैं और जिससे अन्न की पैदावार अच्छी होती है और हमारी गायों को चारा प्राप्त होता है।

युवा पीढ़ी विवेकानंद के पद चिन्हों पर चलें: सीएम

- मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने केयू में किया स्वामी विवेकानंद की धातु की प्रतिमा का अनावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के फैकल्टी लॉज के प्रांगण में स्वामी विवेकानंद की धातु की प्रतिमा का अनावरण किया गया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि युवा पीढ़ी को स्वामी विवेकानंद के पद चिन्हों पर चलने एवं राष्ट्र निर्माण के लिए संकल्प लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केवल नाम जपने या आंखो में उनको बसाने की बजाए उनके विचारों पर चलने की जरूरत है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के जीवन वाक्य के शब्दों उठो, जागो

कुरुक्षेत्र। केयू में स्वामी विवेकानंद की धातु की प्रतिमा का अनावरण करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त ना हो जाए का उच्चारण कर युवाओं को उनके पदचिन्हों पर अनुसरण करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा तथा स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के निर्माण में योगदान के लिए ललित कला विभाग के शिक्षकों व उनकी पूरी टीम को बधाई दी। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। तथा कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं और उनकी धातु की प्रतिमा युवाओं में जोश व उत्साह बढ़ाने का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्पोर्ट्स हॉस्टल का भी लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इस हॉस्टल में खिलाड़ियों को हर तरह की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ खेल के क्षेत्र में भी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के खिलाडियों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश में विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने कुवि को हॉकी में लगातार दूसरी बार मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी मिलने पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा व टीम के खिलाड़ियों व कोच को बधाई दी।

योग व ध्यान प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक

कुरुक्षेत्र। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के उपलक्ष्य में हरियाणा योग आयोग, पंचकूला द्वारा आयोजित आठ दिवसीय ध्यान योग शिविर के सातवें दिन पतंजलि योग समिति एवं महिला पतंजलि योग समिति द्वारा योगाभ्यास करवाया गया। हरियाणा योग आयोग के प्रथम रजिस्ट्रार डॉ हरिश्चंद्र, आयोग के सदस्य डॉ मनीष कुकरेजा, महिला पतंजलि योग समिति से डॉ निरुपमा भट्टी, हार्टफुलनेस से लवलीना व शिविर की सभी सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डॉ. शुचि स्मिता व विशिष्ट अतिथि ब्रह्मानंद आश्रम की साध्वी रामदेवी का पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह से स्वागत, अभिनंदन व सम्मान किया।

भद्रकाली शक्तिपीठ पर घोड़े चढ़ाने पहुंचे असम के मुख्यमंत्री डा. हिमन्त बिस्वा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

असम के मुख्यमंत्री डा. हिमन्त बिस्वा सरमा हरियाणा के एकमात्र शक्तिपीठ श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर में विशेष विधिवत पूजा करने पहुंचे। यहां भव्य रूप से सजे शक्तिपीठ में सर्वप्रथम पीठाध्यक्ष पंडित सतपाल शर्मा व स्वागत समिति के सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री का शक्तिस्थल श्रीदेवीकूप पहुंचने पर पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। ततपश्चात मुख्यमंत्री ने मंत्रोचारण व पान पत्तों व कमल पुष्पों के साथ श्री देवीकूप पर पूजा की। उन्होंने भी शक्ति पूजा में भगवान श्री कृष्ण जी की विजयी अश्व चढ़ाने की परम्परा को निभाया

कुरुक्षेत्र। असम के मुख्यमंत्री डा. हिमन्त बिस्वा सरमा का स्वागत करते मंदिर के पीठाध्यक्ष पंडित सतपाल शर्मा।

और चांदी घोड़े अर्पित किए। पीठाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को माता की लाल शक्ति चुनरी, चांदी लॉकेट व पुष्प माला एवं मां भद्रकाली जी की सिद्ध अष्ठधातु अष्ठभुजा स्वरूप भेंट किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि मां कामाख्या देवी व माँ भद्रकाली जी दोनों ही शक्ति स्वरूपा है, दोनों ही मां सती जी पावन अंग शक्तिपीठ है, और वे यहां मां के दांये चरण का आशीर्वाद लेने आए है । असम के मुख्यमंत्री डा. हिमन्त बिस्वा सरमा ने कहा कि जैसे मेरी आज मन्नत पूरी हुई है मां भद्रकाली शक्तिपीठ के दर्शन की। वैसे ही दुनियाभर के रामभक्तों की मन्नत 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के साथ पूरी होगी।

डॉ शांति स्वरूप शर्मा अवार्ड से सम्मानित हुई रमिता

कुरुक्षेत्र। रमिता जिंदल को स्वतंत्रता सेनानी डॉ शांति स्वरूप शर्मा अवार्ड से नवाजा गया। रमिता जिंदल को यह अवार्ड श्री जयराम विद्यापीठ में कथावाचक श्याम जी ठाकुर के कर कमलो से दिया गया। जयराम विद्यापीठ संस्थाओं के संचालक ब्रह्म स्वरूप ब्रह्मचारी जी महाराज ने रमिता जिंदल को अवार्ड चीन में हुए एशियाई खेल 2023 में शूटिंग में सिल्वर मेडल एवं ब्रोंज मेडल जीता था। कर देश का नाम विश्व भर में रोशन किया है।

इस्कॉन गीता यज्ञ में शामिल हुए अमेरिका, रूस और ऑस्ट्रेलियन भक्त

कुरुक्षेत्र। इस्कॉन के श्रीकृष्ण अर्जुन मन्दिर जोयितसर में भव्य गीता जयंती महामहोत्सव मनाया गया। उत्सव में देश विदेश के करीब 1000 से अधिक भक्तो ने भाग लिया और गीता के 700 श्लोको पर आहुति के साथ महायज्ञ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इस्कॉन के चेयरमैन परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज उपस्थित रहे। पूज्य महाराज ने कहा कि आज का समाज तनाव और कलेश से भरा हुआ है। गीता का मात्रा एक श्लोक प्रतिदिन पड़ने से सारे अज्ञान को दूर किया जा सकता है। जिस तरह कमल का पुष्प कीचड़ में रहकर भी उससे प्रभावित नहीं होता, उसी तरह से हमे भी समाज में दोषों से बचकर रहना है। इस्कॉन अध्यक्ष साक्षी गोपाल ने अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, रूस, और भारत के विभिन्न राज्यों से आए भक्तो का स्वागत किया और गीता जयंती की शुभकामनाएं दीं।

वीर बाल दिवस पर धार्मिक समागम में सीएम शामिल : जत्थेदार भूपिंदर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सरबंसदानी श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के साहिबजादों की कुबार्नी को समर्पित वीर बाल दिवस में प्रदेश के सीएम मनोहर लाल खट्टर शामिल होंगे। ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी कुरुक्षेत्र में 26 दिसंबर को होने वाले इस धार्मिक समागम में सबसे पहले सीएम मनोहर लाल खट्टर खूनदान शिविर शुरू करेंगे। तत्पश्चात गुरुद्वारा साहिब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के समक्ष शीश नवाते हुए श्री अखंड पाठ के समापन पर हाजिरी भरेंगे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह जानकारी हरियाणा सिख गुरुद्वारा

कुरुक्षेत्र। पत्रकारों से बातचीत करते हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान।

मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध ने संस्था के हैड ऑफिस में दी। उन्होंने कहा कि सरबंसदानी श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के साहिबजादों की शहीदी को समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीर बाल दिवस मनाने का ऐलान करके सिखों का मान-सम्मान बढ़ाया है। वीर बाल दिवस समागम में गुरु साहिब के साहिबजादों को श्रद्धासुमन अर्पित किए जाएंगे। यह समागम सिख रहित मयार्दा के अनुसार करवाया जाएगा, जिसमें हरियाणा कमेटी के कर्मचारी नीली व केसरी दस्तार सजा कर शामिल होंगे। उन्होंने सिख संगत से गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में अधिक से अधिक गिनती में पहुंच कर साहिबजादों की शहीदी को नमन करने का आह्वान किया। जत्थेदार भूपिंदर सिंह ने बताया कि 28 दिसंबर को असंध में भी हरियाणा कमेटी द्वारा शहीदी दिवस मनाया जाएगा।

दिव्यांगजनों के प्रति समानाभूति रखें

थानेसर। हरियाणा सरकार के माध्यम से सरकारी विद्यालयों में रोल मॉडल उद्बोधन के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिवानी खेड़ा में डा. सुषमा शर्मा, पूर्व अध्यक्ष शिक्षा विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने छात्राओं को शिक्षा की महता बताते हुए भारतीय संस्कृति पर प्रकाश डाला। विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ बलजीत कौर ने पुष्प गुच्छ देकर डॉ सुषमा शर्मा का स्वागत किया। उन्होंने मोबाइल के दुरुपयोग से सचेत किया। अपने लक्ष्य की ओर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने माता पिता के विश्वास को जीते व जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए, तब तक न रुके। परेशानियों को अवसर मान कर मेहनत करें। उन्होंने विभिन्न जीवंत उदाहरण द्वारा बच्चों को प्रेरित किया। उन्होंने विशेष अथवा दिव्यांग बच्चो के बारे में भी चर्चा करते हुए बताया कि उन्हें आपकी दया नही चाहिए। आपको उनके प्रति समानाभूति रखनी चाहिए। ये विकलांगता कभी भी किसी को भी हो सकती है, जैसे 50 वर्ष के पश्चात दृष्टिदोष सभी को होता है, जिसे मोतियाबिंद कहते है। उम्र बढ़ने के साथ श्रवण क्षमता भी कम हो जाती है। उन्होंने दिव्यांगजन की उपलब्धियों की भी चर्चा की।

रीना शाक्य को किया सम्मानित

कुरुक्षेत्र। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा रीना शाक्य को सम्मानित करते हुए साथ में उपस्थित जय प्रकाश शाक्य।

कुरुक्षेत्र। साशा मीडिया सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित इंटरनेशनल फेम अवार्ड में कुरुक्षेत्र के सेक्टर 17 स्थित दिल्ली ब्यूटी प्वाइंट की रीना शाक्य को इंटरनेशनल फेम अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड बेस्ट ब्राइडल मेकअप आर्टिस्ट इन हरियाणा कैटेगरी के अंतर्गत दिया गया। रीना शाक्य पिछले 20 वर्षों से ब्यूटी सेक्टर में अपना योगदान दे रही हैं। रीना शाक्य को 2019-20 में भी बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा और मदिरा बेदी से अवार्ड मिल चुका है। यह अवार्ड बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा द्वारा दिया गया। इस अवार्ड सम्मान का आयोजन दिल्ली के पांच सितारा होटल में साशा मीडिया सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से किया गया।

लाडवा। गांव डूडी में ग्रामीणों के साथ समाजसेवी संदीप गर्ग।

लाडवा का विकास ही उद्देश्यः गर्ग

लाडवा। लाडवा के गांव डूडी में शनिवार को ग्रामीणों द्वारा समाजसेवी एवं नेता संदीप गर्ग का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि वह लाडवा हल्के की जनता को अपना परिवार मानते हैं और लाडवा हल्के की जनता के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य यह है कि लाडवा हल्के की जनता को कोई परेशानी न हो। उनके द्वारा कई जनहित के कार्य लाडवा हल्के की जनता के लिए करवाई जा रहे हैं और आगे भी निरंतर इस प्रकार के कार्य जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा व विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं। इस बार हल्के के जनता ऐसी कोई गलती न करें, ऐसे किसी भी व्यक्ति को लोकसभा या विधानसभा में न भेजे, जो लाडवा हल्के के विकास करवाने में सक्षम न हो। मौके पर सोहन कुमार, राजिन्द्र, रिंकु, अजय, सुरेश, हुकम सिंह, राजपाल आदि ग्रामीण मौजूद थे।

यीशु मसीह का जन्म संपूर्ण जाति के कल्याण के लिए हुआ था

किडजी व किड्स प्लेनेट में मनाया क्रिसमस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

किडजी व किड्स प्लेनेट प्रेम पब्लिक स्कूल सेक्टर-3 कुरुक्षेत्र में क्रिसमस का त्यौहार बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक परमिंदर सिंह बाठ, मेघा धमीजा, सुनीता रानी तथा पूजा द्वारा यीशु मसीह की तस्वीर के आगे मामबत्तियां जगा कर किया गया। इस अवसर पर परमिंदर सिंह बाठ ने विद्यार्थियों को प्रभु यीशु मसीह के बारे में बताते हुए कहा कि यीशु मसीह का जन्म किसी विशेष धर्म के

लिए नहीं अपितु संपूर्ण जाति के कल्याण के लिए हुआ।

उन्होंने हमें सभी से प्रेम करने की प्रेरणा दी। उन्होंने यह भी बताया कि यीशु दुनिया में इसलिए आए ताकि लोग ईश्वर के साथ संबंध बनाकर जीवन जी सकें। वह ईश्वर को जाने और ईश्वर पर विश्वास करें। प्रभु यीशु ने हमें मानवता से प्रेम करने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय को विशाल क्रिसमस ट्री और स्नोमैन द्वारा सजाया गया। विद्यार्थियों ने इस अवसर पर रंगारंग तथा मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छोटे-छोटे बच्चे सांता क्लॉस के रूप में सजे-धजे बहुत ही मनमोहक लग रहे थे। छोटे-छोटे विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न क्रिसमस नृत्य भी प्रस्तुत किए गए। नर्सरी के छोटे-छोटे विद्यार्थियों ने यीशु द डियर हैप्पी बर्थडे ,जिंगल बैल जूनियर केजी के विद्यार्थियों ने जिंगल बैल,छन-छन घंटी तथा सीनियर केजी के विद्यार्थियों ने आई एम द हैपिएस्ट क्रिसमस ट्री तथा जिंगल बेल पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा पहली के विद्यार्थियों ने जिंगल बेल रॉक तथा कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों ने लिटिल लाइट, मेरी क्रिसमस तथा कक्षा तीसरी के विद्यार्थियों ने जिंगल बेल जिंगल बेल पर बहुत ही आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा चौथी तथा पांचवी के विद्यार्थियों ने जन्म लियो तथा छठी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने यीशु दे बंदे पर बहुत ही आकर्षक एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में छठी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने यीशु जन्म पर एक लघु नाटिका की प्रस्तुति दी।जिसे मेघा धमीजा के नेतृत्व में तैयार किया गया।

खबर संक्षेप

वैदिक हवन में डाली आहुतियां

अंबाला। मुरलीधर डीएवी विद्यालय के प्रांगण में युवा समाज मंच द्वारा स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस पर वैदिक हवन यज्ञ द्वारा स्वामी श्रद्धानंद को श्रद्धा सुमन भेंट किए गए। विशेष प्रार्थना सभा के दौरान स्वामी श्रद्धानंद को कविता कहानी के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्राचार्य डॉ. राधा रमन ने बताया कि स्वामी श्रद्धानंद एकमात्र हिंदू संन्यासी थे, जिन्होंने राष्ट्रीय एकजुटता और वैदिक धर्म के लिए मुख्य जामा मस्जिद नई दिल्ली की मीनारों से एक विशाल सभा को संबोधित किया था।

मिलकर किया गीता का पाठ

अंबाला। गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज में महाविद्यालय के पूर्व छात्र गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के मार्गदर्शन में गीता जयंती के पावन अवसर पर सामूहिक गीता पाठ का सफल आयोजन किया गया। यहां एक साथ मिलकर गीता पाठ किया। प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि यह एक अद्भुत नज़ारा है। उन्होंने कहा कि गीता जयंती के इस पावन अवसर पर इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व शांति सद्भाव, सर्वत्र सुख समृद्धि, पर्यावरण शुद्धि एवं राष्ट्रीय गौरव वृद्धि के लिए एक साथ जुड़कर शिक्षा के महत्व को समझा जाए।

गीता महोत्सव के उपलक्ष्य में पुस्तकें बांटी गई

अंबाला। जिला स्तरीय गीता महोत्सव के उपलक्ष्य में रामबाग मैदान अंबाला शहर में श्री सनातन मंच सेवा सभा द्वारा धार्मिक पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई। भारी संख्या में लोगों ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया। एडीसी अपराजिता, एसडीएम दर्शन कुमार ने भी इस स्टॉल का अवलोकन किया तथा सभा का इस कार्य के लिए धन्यवाद किया। मंच द्वारा लोगों को फ्री में धार्मिक पुस्तकें वितरित की गई। इस प्रदर्शनी में स्कूली बच्चे भी शामिल हुए।

एयरफोर्स स्टेशन के पास धारा 144 लगाई

अंबाला। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के एयरफोर्स स्टेशन अंबाला छावनी पर आगमन को लेकर सुरक्षा की दृष्टि से धारा 144 के आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेशों के अनुसार 23 दिसंबर को पूरे जिले को नो फ्लाइंग जोन एरिया घोषित किया गया है। यहां किसी भी प्रकार के ड्रोन इत्यादि को उड़ाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। आदेशो की अवहेलना करने पर धारा 188 के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। मुख्यमंत्री के एयरफोर्स स्टेशन में आगमन को लेकर सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई है।

गीता के श्लोकों का किया पाठ

नारायणगढ़। राजकीय महाविद्यालय में गीता जयंती के अवसर पर भागवतगीता के श्लोकों का पाठ किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। प्राचार्य भूपिंद्र कुमार धीमान द्वारा विद्यार्थियों को गीता की शिक्षाओं के बारे मे बताया गया। यह आयोजन विश्व शांति, सद्भाव, सर्वत्र सुख समृद्धि, पर्यावरण शुद्धि व राष्ट्र गौरव वृद्धि के लिए किया गया।

गीता विश्व का सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ

शहजादपुर। राजकीय महिला महाविद्यालय में कार्यकारी प्राचार्य प्रोफेसर मोनिका की अध्यक्षता में गीता के श्लोकों का पाठ किया गया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के दिशा निर्देश पर अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती समारोह के अवसर पर हिंदी विभाग तथा समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. निर्मल सिंह ने कहा कि यह एक अत्यंत अद्भुत समय है जब हम विश्व शांति, सद्भाव, सर्वत्र सुख-समृद्धि से समारोह मना रहे हैं।

श्रीमद्भगवद् गीता के सार को हमें जीवन में उतारने की जरूरत

एडीसी बोले, गीता का हर श्लोक पढ़ना चाहिए, फिर जीवन में आएगा परिवर्तन

रंगारंग प्रस्तुतियों से छात्रों ने जमाया रंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता ने कहा कि श्रीमद्भगवद् गीता के सार को हमें अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। श्रीमद्भगवद् गीता के प्रत्येक श्लोक को हमें पढना चाहिए। गीता के सार को जब हम अपने जीवन में उतारेंगे तो आपको अपने जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिलेगा। एडीसी शनिवार को राम बाग मैदान में आयोजित जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव में बोल रही थी।

इस मौके पर उन्होंने यहां लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस मौके पर उनके साथ एसडीएम दर्शन कुमार, डीआईपीआरओ धर्मेंद्र कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार, जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी राम निवास, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। गीता जयंती महोत्सव के दूसरे दिन भी भारी संख्या मे लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। स्कूली बच्चों के साथ-साथ अन्य लोग भी शामिल थे। एडीसी अपराजिता ने कहा कि सारे प्रदेश में नहीं विदेशों में भी गीता महोत्सव को धूम धाम के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गीता जीवन में उतारने का सबसे बड़ा महान ग्रंथ है। जीवन का संपूर्ण सार गीता में हैं। लगभग 5100 वर्ष पहले भगवान श्री कृष्ण ने गीता का जो संदेश उस समय दिया था उसकी सार्थकता आज भी उतनी ही है। गीता के एक श्लोक को यदि हम मन से आत्मसात कर लें तो हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। गीता के 18 अध्यायों को लेकर विराट भवन बनाया जा रहा है।

अंबाला। जिला स्तरीय गीता जयंती समारोह में प्रस्तुति देते कलाकार, मुख्यअतिथि के साथ कलाकार व मंच पर वाद्य यंत्रों से धमाल मचाते कलाकार। फोटो: हरिभूमि

एक मिनट हुआ गीता पाठ

कार्यक्रम के दौरान कुरूक्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से गीता मुनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने 11 बजे एक साथ एक मिनट वैश्विक गीता पाठ के साथ सभी को जोडने का काम किया। उन्होंने कहा कि आज एक करोड़ से अधिक लोग इस वैश्विक गीता पाठ के साथ जुडे हैं। देश के 20-25 प्रांतो में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से इस आहवान में सभी ने अपनी अहम भूमिका निभाई है। हर की पौड़ी हरिद्वार में एक हजार संतों ने इस पाठ से जुड़े तथा वैष्णों देवी मंदिर से भी भगवदगीता के पाठ से श्रद्धालु जुडे हैं। जिला स्तरीय कार्यक्रम में 21 विद्यार्थियों ने गीता श्लोकोच्चारण की प्रस्तुति दी।

कलाकारों ने जमाया रंग

प्रदर्शनी स्थल पर हरिणावी वाद्य यंत्रों से सुसज्जित पार्टियों ने दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। पलवल के गांव बंचारी से नगाडा पार्टी व बीन पार्टी ने कार्यक्रम स्थल पर मुख्यअतिथि सहित अन्य लोगों का स्वागत करते हुए शानदार प्रस्तुति दी।

आमजन इन पार्टियों के साथ सेल्फी लेते हुए दिखे और उन्होंने भी उनके साथ नृत्य करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। वहां पर उपस्थित स्कूली बच्चे भी नगाड़ा व बीन पार्टी की प्रस्तुति को देखकर काफी रोमांचित हुए। जादुगर एसके शर्मा ने भी जादु की विभिन्न कृतियां पेश की।सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध कलाकार सुनीता दुआ सहगल ने सत्यम शिवम सुंदरम, मेरे बांके बिहारी अनमोल रसिया मेरे कुंज बिहारी अनमोल रसिया, तु कृपा कर बाबा आदि भजनों से सभी को मंत्रगुग्ध करने का काम किया। उनके भजन गीतों पर पंडाल में उपस्थित सभी ने तालियां बजाकर अपनी खुशी जाहिर की।

पूजा के बाद निकाली गई शोभायात्रा

रामबाग मैदान से जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष में निकाली गई शोभायात्रा में शामिल रथ पर श्रीमदभगवद गीता को सुशोभित किया गया। पूजा-अर्चना कर व शोभायात्रा को झंडी दिखाकर अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता ने शुभारंभ किया। इस शोभायात्रा में विभिन्न विभागों, विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा तैयार झांकिया शामिल रही। यह शोभायात्रा पुराना सिविल अस्पताल चौक, अंबिका देवी मंदिर, सर्राफा बाजार, पटेल रोड़, कोतवाली सराय, गुड मंडी, रेलवे रोड़, रेलवे रोड, आर्य समाज मंदिर, केपीएके स्कूल, प्रेम मंदिर धर्मशाला, खन्ना पैलेस होते हुए रामबाग मैदान पर संपन्न हुई।

गीता जयंती के उपलक्ष्य में युवा विकास संगठन की ओर से तिरंगे का किया गया वितरण

अंबाला। अंतर्राष्ट्रीय गीता जंयती महोत्सव के उपलक्ष्य में जिला युवा विकास संगठन द्वारा स्टाल लगाकर लोगों को तिरंगा वितरित किया गया। संगठन से परमजीत सिंह बडौला द्वारा बताया गया जिला युवा विकास संगठन द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए जिले में सिलाई स्कूलों का संचालन कर रहा है। इसमें लडकियों व महिलाओं को निशुल्क सिलाई कढाई सिखाकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गीता जंयती महोत्सव के उपलक्ष्य में खादी से बने तिरंगा झंडे का वितरण किया गया जो कि जिला युवा विकास संगठन के सिलाई स्कूलों में महिलाओं द्वारा बनाए गए हैं। इस स्टॉल को लगाने का उद्देश्य लोगों को देशभक्ति व महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करना है। गौरतलब है कि जिला युवा विकास संगठन असहाय बच्चों को निशुल्क किताबें वितरित करना, पौधे लगाकर पर्यावरण बचाना, सिलाई स्कूलों के माध्यम से लडकियों व महिलाओं को कौशल प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाना आदि क्षेत्रों में कार्य कर रही है ताकि समाज को एक बेहतर भविष्य दिया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती पर बाल विवाह के खिलाफ युवाओं को किया जागरुक

अंबाला। एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में बाल विवाह मुक्त भारत स्टाल लगाकर लोगों को बाल विवाह के बारे जागरूक किया गया। इस उपलक्ष्य में सेल्फी स्टॉल भी लगाया गया जिसमें लोगों को सेल्फी लेते हुए बाल विवाह न करने व न करवाने का प्रण लिया गया। एमडीडी ऑफ इंडिया से अजय तिवारी ने कहा कि किशारियों के लिए समुचित शिक्षा, स्वास्थय का प्रबंध नही होने के कारण अधिकांश लड़कियों की आठवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छूट जाती है। उन्होने बेटियों को कम उम्र में शादी नहीं करने की अपील की व विभिन्न प्रकार के दुर्व्यवहारों की जानकारी दी। तिवारी द्वारा बताया गया यदि उनके आस पास बाल विवाह से संबंधित कोई मामला सामने आता है तो वे बाल विवाह निषेध अधिकारी, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 व पुलिस हेल्पलाइन 112 पर संपर्क कर सकते है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है जिसे हम सभी को मिलकर मिटाना होगा ताकि एक बेहतर समाज का निर्माण हो सके।

फेसबुक पर मिली गैंगस्टर राणा के नाम पर धमकी

- परिवादी ने पुलिस के साथ गृहमंत्री को दी शिकायत, वकील व उसके बेटे पर धमकी दिलवाने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

युवक को फेसबुक मैसेंजर पर गैंगस्टर संपत नेहरा और मोनू राणा के नाम पर जान से मारने की धमकी मिली है। बदमाश ने युवक को जन्मदिन व सालगिरह से पहले गोली मारने की धमकी दी है। घबराए युवक ने पुलिस के साथ गृह मंत्री अनिल विज को भी मामले की शिकायत दी है। मामला एक माह पहले शादी समारोह में गांव ठाकुरपुरा के सरपंच देवेंद्र वालिया और सेक्टर-8 अंबाला शहर के वकील विनोद वालिया के बीच हुई मारपीट-छेड़छाड़ विवाद से जुड़ा है। गृहमंत्री ने एसपी को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। नारायणगढ़ की चानना कॉलोनी के आकाश वालिया ने बताया कि लगभग एक माह पहले उसकी ममेरी बहन के साथ छेड़छाड़ होने पर गांव ठाकुरपुरा (कलालटी) के उसके मामा का पुलिस से रिटायर्ड विनोद वालिया के साथ झगड़ा हुआ था।

शादी में हुआ था झगड़ा

पुलिस ने विनोद वालिया की शिकायत पर पुलिस थाने में उसके मामा देवेंद्र वालिया व परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज किया था। आकाश का आरोप है कि इस झगड़े के बाद आरोपी उसे, उसके परिवार व रिश्तेदारों को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। आरोपियों के गैंगस्टरों से संबंध हैं। वह कोऑप्रेटिव बैंक लाहा में नौकरी करता है। आरोप लगाया कि पिछले कई दिनों से कुछ संदिग्ध युवक उसका पीछा कर रहे हैं। आकाश ने बताया कि उसके नंबर पर फेसबुक मैसेंजर से सुबह साढ़े 9 बजे कर्ण वालिया नाम से कॉल आनी शुरू हुई। सुबह 10:21 बजे फिर कॉल आई। जब उसने कॉल अटैंड की तो बोला कि मैं अमेरिका से बोल रहा हूं। मैं भारत में गैंग चलाता हूं। यहां उसके साथी रिषभ वालिया है। आकाश के मुताबिक बदमाश उसे धमकी देने लगा कि तुमने जो केस विनोद वालिया व रिषभ वालिया के खिलाफ किया है या तो तुम समझौता कर लो नहीं तो तुम्हें व तेरे परिवार को जान से मरवा दूंगा। मेरा गैंगस्टर संपत नेहरा व मोनू राणा गैंग से संबंध है। सिर्फ 2 लाख रुपए का खेल है। पैसा फेंक तमाशा देख।

कांग्रेस की जनसंदेश यात्रा का रोडमैप तय

- अंबाला लोकसभा में बड़ी रैली के साथ यात्रा का होगा समापन
- केंद्र व राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनता को यात्रा के जरिए किया जाएगा जागरुक

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

राज्य में लोकसभा की सभी दस सीटों पर कांग्रेस की जनसंदेश यात्रा का रोडमैप तय हो गया है। राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने शनिवार को अपने आवास पर प्रदेश भर से जुटे कार्यकर्ताओं के समक्ष यात्रा की रुपरेखा रखी। 14 जनवरी 2024 से यह जनसंदेश यात्रा फरीदाबाद लोकसभा से शुरू होगी। यात्रा का अंतिम पड़ाव अंबाला लोकसभा में होगा। समापन पर सैलजा ने अंबाला लोकसभा में बड़ी रैली करने का भी ऐलान किया। प्रदेश कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष कुमारी सैलजा ने कहा कि इस जनसंदेश यात्रा के जरिए सभी दस लोकसभा सीटों की हर विधानसभा को कवर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यात्रा दो दिन में पूरी लोकसभा को कवर करेगी। इस यात्रा के दौरान प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला व विधायक किरण चौधरी भी कार्यकर्ताओं की अगुवाई करेंगी।

अंबाला। प्रस्तावित जन संवाद यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं को संबोधित करती कुमारी सैलजा व मौजूद कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

हर कार्यकर्ता का जताया आभार

कुमारी सैलजा ने भारी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं का दिल से आभार जताया। उन्होंने कहा कि उनके राजनैतिक सफर में तमाम कार्यकर्ता बिना किसी लालच के उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। मौके पर प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रामकिशन गुर्जर, सुरेश गुप्ता, पूर्व डिप्टी स्पीकर अकरम खान, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष एडवोकेट रोहित जैन, वरिष्ठ नेता डॉ.अजय चौधरी, विधायक शमशेर गोगी, विधायक रेणू बाला, विधायक शैली चौधरी, विधायक प्रदीप चौधरी, पूर्व सांसद चरणजीत रोड़ी, पूर्व विधायक बलवान दौलतपुरिया, रिसाल सिंह, महिला कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष सुधा भारद्वाज समेत कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाबा जोरावर-फतेह सिंह अस्पताल का शुभारंभ

- एक्सरे व अल्ट्रासाउंड की भी मरीजों को कम खर्च पर मिलेगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुलाना

दोसड़का में बाबा जोरावर सिंह बाबा फतेह सिंह चेरिटेबल अस्पताल का शनिवार को उद्घाटन हुआ। यहां लोगों को नाममात्र खर्च पर बेहतर इलाज मिलेगा। इसका निर्माण दोसड़का गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी सहित इलाके की संगत के सहयोग से किया गया है।

चेरिटेबल अस्पताल का शुभारंभ के लिए अस्पताल भवन में सुखमनी साहिब का पाठ कराया गया।इसके बाद मुख्यातिथि जजपा जिलाध्यक्ष किसान सैल अंबाला मनदीप सिंह बोपराय ने रिबन काटकर अस्पताल लोगों को समर्पित किया। बोपराय ने कहा कि बाबा जोरावर सिंह बाबा फतेह सिंह चेरिटेबल अस्पताल में नाममात्र खर्च पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं लोगों को प्रदान की जाएंगी। यही सच्ची सेवा है। इससे न केवल लोगों के पैसे बचेंगे बल्कि अच्छे डाक्टरों से कम खर्च में बेहतर इलाज भी मिल पाएगा।

उन्होंने दोसड़का गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी का इस अस्पताल निर्माण के लिए आभार व्यक्त किया। दोसड़का गुरुद्वारा प्रधान बाबा जसबीर सिंह ने बताया कि अस्पताल में बेहतर डाक्टर व एक्स-रे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड सहित सभी टेस्टों सहित एंबुलेंस की सुविधा भी होगी । अस्पताल के उद्घाटन से अस्पताल मे टेस्ट लैब की सेवा शुरू हो गई है। 13 जनवरी से अस्पताल में विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवा भी शुरू हो जाएगी। इससे आमजन को बहुत सहुलियत होगी। जसबीर खालसा के अनुसार अस्पताल का उद्देश्य आमजन को कम खर्चे में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहेगा । अस्पताल में बाबा बंदा सिंह बहादुर सेवा दल हरियाणा द्वारा बेड़ की सेवा दी गई है। मौके पर क्षेत्र के गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

मुलाना। चेरिटेबल अस्पताल के उद्घाटन के दौरान मौजूद मुख्यअतिथि व अन्य।

दो दर्जन परिवार भाजपा में शामिल

उचाना। पालवां गांव में उस समय भाजपा को बड़ी सफलता मिली जब पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह की अगुवाई में जजपा के युवा नेता एवं खरकभूरा जोन प्रभारी पद पर रहे कर्मपाल पालवां सहित दो दर्जन परिवारों ने भाजपा में आस्था व्यक्त की। बीरेंद्र सिंह ने कहा कि सभी को पूरा सम्मान दिया जाएगा।

खेल महोत्सव में बच्चों ने दिखाया दम

- रंगारंग प्रस्तुतियों से भी वाहवाही लूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

शनिवार को शिवालिक इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल महोत्सव 2023 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूएचवीपीएन के कार्यकारी अभियंता संजीव सिवाच मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा मशाल प्रज्ज्वलन और ध्वजारोहण के साथ हुई। इसमें प्रबंधन के सदस्य और प्रिंसिपल ईशा शर्मा शामिल रही। इसके बाद शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की शुरुआत कक्षा 1 और 2 के छोटे बच्चों द्वारा स्वागत नृत्य के साथ हुई। इसके बाद विभिन्न श्रेणियों के आधार पर विभिन्न वर्गों की दौड़ हुई। स्कूल के जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं को ट्रॉफी वितरित की गई। मुख्य अतिथि ने छात्रों को शिक्षा-दीक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ खेल, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पूरे दिल से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल के प्रयासों की सराहना की।

नारायणगढ़। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते नन्हे बच्चे। फोटो: हरिभूमि

सोनीपत में सरपंच की हत्या मामले में एसआईटी गठित कर जांच के दिए निर्देश

गृह मंत्री अनिल विज के समक्ष कबूतरबाजी के कई मामले आए

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के आवास पर शनिवार को भी प्रदेशभर से आए फरियादियों का तांता लगा रहा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों का सभी शिकायतों पर कार्रवाई के आदेश दिए। सोनीपत के गांव छिछडाना से आए फरियादियों ने बताया कि गांव के सरपंच की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया मगर पूरे आरोपी अभी तक पकड़े नहीं गए है। उन्होंने आरोपियों द्वारा धमकाने के आरोप भी लगाए। विज ने इस मामले में कार्रवाई के लिए सोनीपत पुलिस कमिश्नर के नेतृत्व में एसआईटी गठित करने के निर्देश दिए।इस दौरान उनके समक्ष कबूतरबाजी के कई मामले आए जिन्हें जांच के लिए गठित एसआईटी के पास भेज दिया गया।

अंबाला। गृहमंत्री के आवास के बाहर लगी लोगों की लाइनें। फोटो: हरिभूमि

अमेरिका भेजने के नाम पर की थी ठगी

नारायणगढ़ से आए फरियादी ने बताया कि उसे अमेरिका भेजने के नाम पर एजेंट ने उससे पांच लाख रुपए की ठगी की। यमुनानगर से आए फरियादी ने बताया कि एजेंट ने उसके बेटे को पुर्तगाल भेजने के नाम पर 9 लाख रुपए की ठग लिए। करनाल के फरियादी ने बताया कि उसे अमेरिका भेजने के नाम पर चंडीगढ़ के एक एजेंट ने उसे पहले इजरायल भेज दिया बाद में उसे न आगे अमेरिका भेजा गया और न ही पैसे लौटाए गए। उससे 12 लाख रुपए की ठगी की गई। इसी तरह विज से करनाल से आई विवाहिता ने पति व ससुराल के अन्य लोगों पर दुराचार व प्रताड़ति करने के आरोप लगाए, महिला ने कहा केस दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है। गृह मंत्री ने किसी अन्य डीएसपी से मामले की जांच के निर्देश दिए। इसी तरह झज्जर के व्यक्ति ने जमीन पर कब्जा करने, कैथल के व्यक्ति ने ससुराल पक्ष पर मारपीट करने, करनाल के गांव उपजनथली के व्यक्ति ने विकास कार्यों में घोटाला करने, सोनीपत की विवाहिता ने ससुराल पक्ष पर मारपीट करने के आरोप लगाए। सभी शिकायतों पर मंत्री ने कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी तरह सोनीपत से आई महिला ने बताया कि उसके पिता ने अपनी प्रापर्टी का 40 प्रतिशत हिस्सा उसके नाम किया था, मगर अब पिता की मृत्यु के उपरांत उसका भाई उससे लगातार धमका रहा है। नारायणगढ़ के व्यक्ति ने कहा कि मारपीट मामले में दर्ज केस को वापस लेने के लिए दूसरे पक्ष द्वारा बदमाशों से फोन करवाए जा रहे हैं। यमुनानगर के व्यक्ति ने हत्या के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने, अंबाला शहर के व्यक्ति ने धोखे से उसकी प्रापर्टी हड़पने एवं अन्य कई मामले आए जिन पर गृह मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8295154800, 9253681005

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 24 दिसंबर 2023

क्रिसमस स्पेशल

ईसा मसीह का जन्मदिन सदियों से क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि लगभग सभी धर्मों के लोग दुनिया भर में इसे उल्लास से मनाते हैं। इस पर्व में निहित प्रेम और भाईचारे का संदेश ही वास्तव में सभी को एक-दूसरे से जोड़ता है, विश्व बंधुत्व की भावना के लिए प्रेरित भी करता है।

प्रेम-उल्लास का वैश्विक पर्व क्रिसमस

{ कवर स्टोरी / धीरज बसाक }

हर वर्ष 25 दिसंबर को दुनिया के हर कोने में क्रिसमस का पर्व मनाया जाता है। क्रिसमस का यह पर्व यूं तो ईसाई धर्म के प्रवर्तक ईसा मसीह के जन्मदिन की खुशी के रूप में ईसाई धर्म के अनुयायियों के द्वारा मनाया जाता है, लेकिन बहुत से गैर ईसाई लोग भी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने वाले इस पर्व को खुशी-उल्लास से मनाते हैं। अपने देश भारत में भी बड़े पैमाने पर सभी धर्मों के लोग क्रिसमस मनाने लगे हैं।

अरबों लोग मनाते हैं यह पर्व

अगर आंकड़ों के हिसाब से देखें तो दुनिया में करीब 2.20 अरब क्रिश्चियन हैं। वे सब तो भरपूर उल्लास के साथ क्रिसमस को सेलिब्रेट करते ही हैं, साथ ही करीब 50 करोड़ दूसरे धर्म के मानने वाले लोग भी इस पर्व को मनाते हैं। इस तरह दुनिया में क्रिसमस अकेला ऐसा पर्व है, जिसे करीब पौने तीन अरब से अधिक लोग मनाते हैं। दूसरे नंबर पर ईद का पर्व है, जिसे दुनिया भर के करीब 2 अरब लोग मनाते हैं।

शुरुआत के संदर्भ में मान्यता

क्रिसमस ईसाईयों का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। माना जाता है कि 25 दिसंबर को ही बैतलहम में मैरी और जोसेफ के घर जीसस क्राइस्ट का जन्म हुआ था। सन् 221 में एक ईसाई यात्री सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस ने पहली बार 25 दिसंबर यानी जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस के रूप में मनाया था। तभी से धीरे-धीरे ईसाई धर्म के अनुयायियों के बीच जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाना शुरू हुआ। सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस नामक इस ईसाई यात्री ने दूसरी सदी के अंत और तीसरी सदी की शुरुआत तक का इतिहास भी लिखा है।

होता है उमंग-उल्लास का माहौल

कई यूरोपीय देशों में 25 दिसंबर यानी क्रिसमस के दिन प्रभु यीशु से संबंधित वैसे ही झांकियां निकलती हैं, जैसे अपने देश में रामलीला के अवसर पर या गुरुपर्व पर झांकियां निकलती हैं। क्रिसमस एक ऐसा धार्मिक उत्सव है, जिसका आनंद सभी धर्मों के लोग लेते हैं, क्योंकि क्रिसमस को लेकर कट्टर धार्मिक आग्रह नहीं है। इसलिए यह त्योहार गैर ईसाई लोग भी पूरे मन से मनाते हैं। इस दिन लोग शाम के समय गिरिजाघर जाते हैं और मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना करते हैं। बच्चों को खासतौर पर क्रिसमस का इंतजार इसलिए भी रहता है, क्योंकि 24 दिसंबर की रात में सांता क्लॉज की वेशभूषा में उनका कोई अपना या अंजान व्यक्ति आकर उन्हें चॉकलेट और दूसरे गिफ्ट्स देता है। इस दिन लोग 'क्रिसमस कैरोल' नामक एक खास तरह का गीत गाते हैं। इस मौके पर कई लोग एरोकेरिया नामक पौधे को छोटे-छोटे रंगीन गेंदों, बल्ब और खिलौनों से सजाते हैं, जिसे क्रिसमस ट्री कहा जाता है।

प्रेम-भाईचारे का देता है संदेश

वैसे तो यह पर्व प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। लेकिन यीशु ने अपने अवतारी जीवन में प्रेम और करुणा के जिन उच्च मानवीय मूल्यों की महत्ता को स्थापित किया, वो उस काल में ही नहीं आज के दौर और हर युग में प्रासंगिक हैं। आज जब हर ओर हिंसा, दुख और तनाव का माहौल है, ऐसे में हम प्रभु यीशु के संदेशों को अपने जीवन में अगर अपना लें, तो ही वैश्विक शांति स्थापित हो सकती है और तभी क्रिसमस पर्व मनाने की सार्थकता होगी। *

जमकर की जाती है खरीदारी

जिस तरह से भारत में दीपावली का त्योहार खरीदारी का बहुत बड़ा मौका होता है, उसी तरह अमेरिका और यूरोप के देशों में सबसे ज्यादा शॉपिंग क्रिसमस के मौके पर होती है। बिग डे शॉपिंग जैसे कॉन्सेप्ट वास्तव में क्रिसमस पर होने वाली शॉपिंग की वजह से ही पॉपुलर हुए हैं। माना जाता है कि विश्व के उपभोक्ता बाजार को गति देने में और उसे महत्वपूर्ण बनाने में क्रिसमस शॉपिंग का बहुत बड़ा योगदान है। अनुमान के मुताबिक समूची दुनिया में क्रिसमस के मौके पर इतनी शॉपिंग होती है, जितनी समूचे अफ्रीकी देशों का वार्षिक बजट भी नहीं होता। इसलिए ना सिर्फ लोगों की खुशियों से बल्कि कारोबार की खुशियों से भी क्रिसमस का बहुत गहरा नाता है, इसलिए यह आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति का सबसे पसंदीदा पर्व भी है।

{ वर्ल्ड रिकॉर्ड / शिखर चंद जैन }

क्रिसमस पर लाखों लाइट्स से जगमगाता है यह अमेरिकी घर

अगर किसी गांव का कोई घर अपनी जगमगाहट के कारण गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो जाए तो अचरज होना स्वाभाविक ही है। यही नहीं इस अनूठे प्रकाशमान घर के कारण एक छोटा-सा अमेरिकी गांव क्रिसमस के अवसर पर चर्चित पर्यटन स्थल बन जाता है। इस गांव की आबादी तो लगभग 4,600 लोगों की है, लेकिन क्रिसमस के दौरान, इस अनोखे घर को देखने यहां 60,000 से अधिक पर्यटक आ जाते हैं।

जी हां, हम बात कर रहे हैं न्यूयॉर्क (अमेरिका) के ग्रामीण इलाके डचेज काउंटी के नियनवाले गांव में रहने वाले दंपति टिमोथी और ग्रेस गे के घर की। नियनवाले गांव के अंधेरे माहौल में उनका यह अनूठा घर दूर से किसी प्रकाश स्तंभ की तरह चमकता हुआ दिखता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि क्रिसमस के मौके पर टिमोथी-ग्रेस गे के इस घर में 7,20,420 बल्ब जलते हैं। ये बल्ब एक साउंड ट्रैक से जुड़े हुए होते हैं, जो करीब ढाई सौ गीतों की धुन पर बार-बार रंग बदलते हैं। इससे जगमगाहट से पूरा माहौल जादुई और बहुत आकर्षक लगता है। यहां एक तालाब भी है, दोनों किनारे पर लगे पेड़ों पर बंधी रस्सी में बड़ा सा ग्लोब, हार्ट, सितारे और इंद्रधनुष लटकाए जाते हैं। ये सभी आकृतियां भी रंग-बिरंगे बल्बों से बनी होती हैं। इनकी छाया जब तालाब के जल में पड़ती है तो देखने वाले को लगता है, मानो वह किसी मायालोक में आ गया है।

ऐसे हुई सजावट की शुरुआत: टिमोथी और ग्रेस गे (पति-पत्नी) ने सबसे पहली बार अपने इस घर को वर्ष 1995 में छोटे बल्बों से रोशन किया था। यह मौका था, उनके पहले बच्चे के जन्मोत्सव का। अपनी खुशी का इजहार करने के लिए इस दंपति ने अपने घर को 600 रंग-बिरंगे बल्बों से सजाया था। कुछ वर्षों बाद अपने शौक को बढ़ाते हुए उन्होंने अपने 1.7 एकड़ में फैले आवासीय परिसर के सामने तालाब के आस-पास मौजूद पेड़ों और झाड़ियां को भी मिनी बल्बों की झालर से सजा दिया।

बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड: हर साल घर सजाने के क्रम में वर्ष 2011 में टिमोथी-ग्रेस गे को पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक दंपति भी अपने घर को लाइटों से सजाते हैं और उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। उस दंपति से टिमोथी और ग्रेस गे सिर्फ कुछ बल्ब कम लगाते थे। यह जानकारी मिलते ही टिमोथी और ग्रेस गे ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम करने की ठान ली। इस तरह अगले ही साल वर्ष 2012 में उन्होंने यह वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल कर लिया। 2013 में वे पिछड़ गए थे, लेकिन उसके बाद 2014 से अब तक उनका ही नाम गिनीज बुक में दर्ज है। अपने इस अनूठे शौक के कारण इस दंपति की ख्याति राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई है। टिमोथी-ग्रेस गे के साथ-साथ उनका गांव भी दुनिया भर में चर्चित हो गया है। *

{ अमेजिंग }

वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च

क्रिसमस के पर्व पर चर्च को बहुत शानदार तरीके से सजाया जाता है। इस अवसर पर प्रभु यीशु के जन्मोत्सव की खुशी में चर्च में बड़ी संख्या में लोग जुटकर प्रेयर करते हैं, कैरोल्स गाते हैं और एक-दूसरे को क्रिसमस विश करते हैं।

वैसे तो दुनिया भर में ईसाई धर्म के लोगों के लिए बड़ी संख्या में चर्च मौजूद हैं। लेकिन उनमें से कुछ चर्च अपनी विशिष्ट संरचना के कारण दुनिया भर में चर्चित हैं। इनमें से ही एक वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च भी है। यह चर्च रोमानिया देश के मारामुरेस काउंटी में सापांता गांव के पास सापांता पेरी मोनेस्ट्री में स्थित है। इस चर्च का नाम दुनिया के सबसे ऊंचे वूडेन चर्च के तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

इस चर्च की ऊंचाई 78 मीटर यानी करीब 256 फीट है। चर्च की इमारत इतनी ऊंची है कि इसे पांच किलोमीटर की दूरी से देख सकते हैं। चर्च का निर्माण मारामुरेस शैली में हुआ है। चर्च के निर्माण में ऑक वुड (बतूल की लकड़ी) का इस्तेमाल हुआ है। ऑक वुड सबसे मजबूत मानी जाती है और लंबे समय तक टिकी रहती है। सापना पेरी मोनेस्ट्री में बना यह चर्च, वर्तमान में रोमानिया देश में ईसाई धर्मावलंबियों के सबसे लोकप्रिय स्थानों में शामिल है। *

प्रस्तुति : देवेंद्र पांडे

{ फेस्टिवल स्टोरी / योगेश कुमार गोयल }

क्रिसमस वाले दिन बच्चों को सांता क्लॉज का खासतौर से इंतजार रहता है। इस दिन वे बच्चों के लिए ढेर सारे उपहार और तरह-तरह के खिलौने लेकर आते हैं। सांता क्लॉज की वास्तविकता से जुड़ी कई कहानियां प्रचलित हैं।

दयावान-बच्चों के प्यारे सांता क्लॉज

क्रिसमस का नाम सुनते ही बच्चों के मन में सफेद-लंबी दाढ़ी वाले लाल-सफेद रंग की ड्रेस और सिर पर फुनगी वाली टोपी पहने पीठ पर खिलौनों उपहारों का झोला लादे बूढ़े बाबा 'सांता क्लॉज' की तस्वीर उभर आती है। बच्चे प्यार से सांता क्लॉज को 'क्रिसमस फादर' भी कहते हैं। सांता क्लॉज के प्रति ना केवल ईसाई समुदाय के बच्चों का बल्कि दुनिया भर में अन्य समुदायों के बच्चों का आकर्षण भी पिछले कुछ समय में काफी बढ़ा है। इसका एक कारण यही है कि विभिन्न शहरों में 25 दिसंबर के दिन सांता क्लॉज बने व्यक्ति विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर खड़े हर समुदाय के बच्चों को बड़े प्यार से उपहार बांटते देखे जा सकते हैं।

कौन है सांता क्लॉज : सांता के बारे में ढेरों कहानियां पढ़-सुनकर अधिकांश बच्चों के दिमाग में यह सवाल जरूर उमड़ता है कि उन्हें उपहार देने और इतना प्यार करने वाला यह सांता क्लॉज आखिर है कौन, यह कहां से आता है और बच्चों को उपहार क्यों देकर जाता है? बच्चों का दिल रखने के लिए कुछ माता-पिता उन्हें कह देते हैं कि वह एक देवदूत है, जो क्रिसमस की रात अपने 8 रेंडियर वाले स्लेज पर बैठकर स्वर्ग से आता है और बच्चों को उपहार बांटकर स्वर्ग वापस चला जाता है। जबकि कुछ बच्चों के पैरेंट्स यह कहकर उनकी जिज्ञासा शांत करते हैं कि सांता क्लॉज, बहुत दूर स्थित एक बर्फीले देश से आता है। वास्तव में सांता क्लॉज, चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर (जो अब तुर्किए के नाम से जाना जाता है) में जन्मे संत निकोलस का ही रूप है।

संत निकोलस बने सांता क्लॉज : प्राचीन कथा के अनुसार, संत निकोलस के पिता एक बहुत बड़े व्यापारी थे, जिन्होंने निकोलस को अच्छे संस्कार देते हुए दूसरों के प्रति सदा दयाभाव रखने और जरूरतमंदों की सहायता करने को प्रेरित किया। निकोलस पर इन सब बातों का इतना असर हुआ कि वह हर समय जरूरतमंदों की सहायता करने को तत्पर रहते। बच्चों से तो उन्हें खास लगाव था।

प्रचलित हैं कई कहानियां : सांता क्लॉज के बारे में कई अन्य कथाएं भी प्रचलित हैं। कहा जाता है कि एक बार निकोलस को मायरा के एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली, जो बहुत धनवान था लेकिन कुछ समय पहले व्यापार में भारी घाटा हो जाने से वह कंगाल हो चुका था। उस व्यक्ति की चार बेटियां थीं लेकिन उनके विवाह के लिए उसके पास कुछ नहीं बचा था। यहां तक कि उसके परिवार के लिए तो खाने के भी लाले पड़ गए थे। जब उससे अपने परिवार की इतनी बुरी हालत नहीं देखी गई और लड़कियां विवाह योग्य हो गईं तो उसने फैसला किया कि वह इनमें से एक लड़की को बेच देगा और उससे मिले पैसे से अपने परिवार का पालन-पोषण करेगा तथा बाकी बेटियों का विवाह करेगा। अगले दिन अपनी एक बेटी को बेचने का विचार करके वह रात को सो गया लेकिन उसी रात संत निकोलस उसके घर पहुंचे और चुपके से खिड़की में से सोने के सिक्कों से भरा एक थैला घर में डालकर चले गए। सुबह जब उस व्यक्ति ने सोने के सिक्कों से भरा थैला पड़ा देखा तो वह बहुत आश्चर्यचकित हुआ। उसने ईश्वर का धन्यवाद करते हुए थैला अपने पास रख लिया और एक-एक कर धूमधाम से अपनी चारों बेटियों की शादी की। बाद में उसे पता चला कि यह थैला संत निकोलस ही उसके घर छोड़ गए थे। *

जुराब टांगने से जुड़ी कहानी

क्रिसमस के दिन कई बच्चे रात के समय अपने-अपने घरों के बाहर अपनी जुराबें टांग देते हैं। इसके पीछे मान्यता यह है कि सांता क्लॉज रात के समय आकर उनकी जुराबों में उनके मनपसंद उपहार भर जाएंगे। इस बारे में भी एक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार सांता क्लॉज ने देखा कि कुछ गरीब परिवारों के बच्चे आग पर सेंक कर अपनी जुराबें सुखा रहे हैं। जब बच्चे सो गए तो सांता क्लॉज ने उनकी जुराबों में सोने की मोहरें भर दीं और चुपचाप वहां से चले गए।

{ लघुकथाएं }

गरीब

रेलगाड़ी चल पड़ी थी। सभी यात्री कुछ ना कुछ करने लगे। कोई लेट गया, कोई मोबाइल देखने लगा तो कुछ आपसी गपशप में मशगूल हो गए। तभी दो युवक चना, गजक, रेवड़ी आदि बेचने के लिए आए। कुछ लोग उनसे मोल-भाव कर रहे थे, 'दो रुपए कम कर दो, पांच रुपए कम कर दो।' इस चक्कर में एक बूढ़ी महिला ने अपना सौ का नोट नीचे गिरा दिया। सामान बेचने वाले युवक रुपया उठाकर बूढ़ी महिला को देते हुए बोले, 'अम्मा, अपना पैसा संभाल कर रखो।' बूढ़ी महिला सहित बाकी लोग दोनों युवकों की ईमानदारी देखकर हतप्रभ थे। युवक अपना सामान बेचने के साथ रेलगाड़ी की सीट के नीचे अपनी पैनी नजर भी गड़ाए हुए थे। रेलगाड़ी जब एक स्टेशन पर रुकी तो दोनों युवकों ने सीट के नीचे पड़ा कचरा फटाफट एक थैले में भर लिया। 'ओह, कितने गरीब हैं दोनों। बेचारे कचरा जाकर बेचेंगे। इससे चार पैसों की और कमाई हो जाएगी।' एक यात्री ने दूसरे यात्री से कहा। तभी यात्रियों ने देखा, वे दोनों युवक रेलगाड़ी के डिब्बे से बाहर उतरे और सारा कचरा जाकर उन्होंने एक कूड़ेदान में डाल दिया। गाड़ी में बैठे खिड़की से देख रहे यात्रियों का चेहरा फक रह गया। वे सोच रहे थे, 'ये गरीब युवक तो बेहद समझदार निकले। नासमझ तो हम हैं, जो रेलगाड़ी के डिब्बे में गंदगी फैलाए हुए थे।' *

-हरीशचंद्र पांडे

गिफ्ट

आज क्रिसमस था। स्कूल में काफी चहल-पहल थी। तरह-तरह की प्रतियोगिताएं हो रही थीं। फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन में छोटे-छोटे बच्चे सांता क्लॉज बनकर रेड कारपेट पर आते और अपनी झोली से टॉफियां निकालकर दर्शकदीर्घा में बैठे बच्चों की ओर उछाल देते। बच्चे टॉफियां कैच करके गप्प से मुंह में रख लेते। सभी बच्चों के चेहरे खुशी से खिले थे। लेकिन इन बच्चों के बीच बैठी नन्ही नीतू के चेहरे पर उदासी थी। स्कूल प्रिंसिपल की नजरों से वह बची नहीं।

कुछ देर बाद ही बच्चों के बीच में एक बड़ा सांता क्लॉज आया। वह सीधा नीतू के पास गया और बोला, 'हैलो नीतू, अपना गिफ्ट लो!' अपने सामने सांता क्लॉज को देखकर नीतू के चेहरे पर मुस्कान आ गई। लेकिन अगले ही पल नीतू के चेहरे की मुस्कान गायब हो गई। गिफ्ट लेने के लिए उसने बढ़ाए अपने हाथ पीछे कर लिए। यह देख सांता क्लॉज ने प्यार से नीतू के सिर पर हाथ रखकर कहा, 'नीतू बेटा, यह तुम्हारा ही गिफ्ट है।'

नीतू एकाएक रो पड़ी, बोली, 'नहीं.. नहीं.. मैं यह गिफ्ट नहीं ले सकती। घर पर मेरी मां बीमार हैं। मुझे गिफ्ट नहीं, मां के लिए दवाइयां चाहिए।' सांता क्लॉज बने प्रिंसिपल यह सुनकर मन ही मन बहुत दुखी हो गए। उन्होंने तुरंत जेब से अपना पर्स निकाला और नीतू को पांच-पांच सौ के चार नोट पकड़ा कर बोले, 'ये लो नीतू तुम्हारा नया गिफ्ट। अब जाकर मां के लिए दवाइयां खरीद लेना। हमारी प्रभु से प्रार्थना है, तुम्हारी मां जल्दी ठीक हो जाएं।' नीतू की आंखें खुशी से चमक उठीं। वह स्कूल गेट की ओर भागी ताकि सांता क्लॉज से मिले रुपयों से अपनी मां के लिए दवाएं खरीद सके। वहां बैठे लोग यह दृश्य देखते ही रह गए। *

-भूपसिंह 'भारती'

साल 2023 बीतने वाला है। इस बीत रहे वर्ष में राष्ट्रीय स्तर पर बहुत कुछ ऐसा घटित हुआ जो अभूतपूर्व था। कई ऐतिहासिक उपलब्धियां भी हमने हासिल कीं। विभिन्न क्षेत्रों में हासिल की गई उपलब्धियों और सफलताओं पर एक विहंगम दृष्टि।

उपलब्धियों के लिहाज से कैसा रहा साल 2023

फ्लैश बैक

लोकमित्र गौतम

चंद दिनों में ही साल 2023 इतिहास का हिस्सा बन जाएगा और इसी के ओझल होते कदमों से उम्मीदों से भरे साल 2024 की शुरुआत होगी। जब एक पूरा साल गुजरता है तो हम मुड़कर गुजरे हुए साल को जरूर एक बार देखते हैं। ठहर कर सोचने और समझने की कोशिश करते हैं कि यह साल कितना महत्वपूर्ण था या कि इसे हम और कैसे अपने लिए बेहतर बना सकते थे?

रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास

सियाचिन ग्लेशियर पर कैप्टर शिवा चौहान

वेद वन पार्क, नोएडा, उत्तर प्रदेश

वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस, मुंबई

जनवरी: साल 2023 की शुरुआत में यानी जनवरी माह में सर्वोच्च न्यायालय की 5 जजों की एक संविधान पीठ ने भारत सरकार के विरुद्ध नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली एक दो नहीं पूरी 58 याचिकाओं को एक साथ खारिज कर दिया। जनवरी में कर्नाटक के देवनहल्ली शहर में केंद्रीय जासूसी प्रशिक्षण संस्थान ने कार्य करना शुरू किया। जनवरी 2023 में ही भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने 'इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट' परियोजना की घोषणा की, जिसका उद्देश्य आम वकीलों से लेकर कानून के छात्रों और आम जनता तक को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करना है।

साल के पहले महीने की अन्य कई महत्वपूर्ण घटनाओं में कैप्टन शिवा चौहान, सियाचिन ग्लेशियर में ऑपरेशनल उद्देश्य से तैनात होने वाली पहली महिला सैन्य अधिकारी बनीं। जनवरी 2023 में पूरे प्रांत में डिजिटल बैंकिंग सुविधा मुहैय्या कराने वाला केरल देश का पहला राज्य बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से बांग्लादेश होते हुए असम के डिब्रूगढ़ तक 3,200 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास को वाराणसी में हरी झंडी दिखाई। इसी जनवरी माह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की सिओम नदी पर बनाए गए पुल का उद्घाटन किया।

पैंगोंग फ्रोजेन लेक, लद्दाख के मैराथन विनर

फरवरी: इस साल फरवरी में पहली बार 20 फरवरी 2023 को लद्दाख के पैंगोंग त्सो झील में फ्रोजन लेक मैराथन आयोजित की गई। इसे गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में सबसे ऊंची फ्रोजन लेक का दर्जा मिला। इसी महीने मुंबई में पहली बार एक वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की शुरुआत हुई और इसी महीने पहली बार केरल के त्रिशूर स्थित इरिंजादापल्ली श्री कृष्णा मंदिर में रमन नामक एक रोबोटिक हाथी को पेश किया गया, यह 11 फीट ऊंचा और 800 किग्रा. का है। इस साल फरवरी में ही केरल देश का पहला ऐसा राज्य बना, जहां सीवेज की सफाई के लिए रोबोटिक स्क्वेंजर 'बैंडीक्यूट' को लांच किया।

मार्च : मार्च 2023 में सुरेखा यादव एशिया महाद्वीप की पहली महिला लोकोमोटिव पायलट बनीं। सुरेखा यादव ने 13 मार्च को वंदे भारत एक्सप्रेस को सोलापुर से सीएसएमटी तक पटरी पर दौड़ाया। इसके साथ ही वह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को चलाने वाली पहली महिला लोको पायलट भी बन गईं। मार्च के आखिर में राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल ने घोषणा की कि उसने पहली बार गाय की देसी नस्ल गीर का क्लोन बछड़ा पैदा किया।

अप्रैल: चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पहली बार 'वोट फ्रॉम होम' की शुरुआत की, इसके तहत ऐसे व्यक्ति जो वोट डालने मतदान केंद्र तक नहीं जा सकते, उनके घर में वोट डालने की व्यवस्था की जाएगी।

अंडरग्राउंड ट्रांसफार्मर सेंटर, बेंगुलरु

मई: मई 2023 में भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मेघालय के जयंतियां हिल्स में दावकी भूमि बंदरगाह का उद्घाटन किया गया। इसी महीने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने लर्निंग मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम 'सक्षम' को लांच किया, जिसका उद्देश्य भारत में स्वास्थ्य पेशेवरों को उच्चस्तरीय चिकित्सा प्रशिक्षण प्रदान करना है।

जून: जून माह में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उत्तर भारत का पहला 'स्किन बैंक' खोला गया, जहां मृत व्यक्तियों की त्वचा दान की जाती है। जून 2023 में भारत 1.45 लाख किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा राजमार्ग नेटवर्क वाला देश बन गया।

जुलाई: केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जुलाई माह में घोषणा की कि 1 जनवरी 2025 के बाद से सभी ट्रकों के केबिन अनिवार्य रूप से वातानुकूलित प्रणाली वाले होंगे। उत्तर प्रदेश के नोएडा में देश का पहला 'वेद वन पार्क' नामक वैदिक थीम वाला पार्क खोला गया, जहां 50,000 से ज्यादा औषधीय पौधे लगाए गए हैं। पार्क को वैदिककाल के साथ ऋषि मुनियों के नाम पर बांटा गया है।

अगस्त: 23 अगस्त 2023 को भारतीय समयानुसार शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रयान-3 की चांद की सतह पर सफल लैंडिंग हो गई। 25 अगस्त 2023 को कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिल्ली में न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए टेली-लॉ और न्यायबंधु एप को एकीकृत करने वाला टेली-लॉ-2.0 लांच किया।

सितंबर: अमेजन इंडिया ने श्रीनगर की डल झील पर देश का पहला तैरता हुआ 'आई हैव स्पेस' स्टोर लांच किया। सितंबर 2023 में सांची भारत का पहला सोलर सिटी बन गया। सितंबर में ही बेंगुलरु में देश का पहला अंडरग्राउंड ट्रांसफार्मर सेंटर स्थापित किया गया। त्रिपुरा सरकार ने ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के लिए अलग से पिंक शौचालय निर्मित करने की घोषणा की।

अक्टूबर: 2 अक्टूबर 2023 को बिहार सरकार द्वारा जाति आधारित सर्वेक्षण को सार्वजनिक किया गया। यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल तमिलनाडु के ममल्लापुरम में स्थित तट मंदिर भारत का पहला हरित ऊर्जा पुरातत्व स्थल बन गया।

नवंबर: नवंबर माह में विराट कोहली ने एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसी माह यूनेस्को द्वारा केरल के कोझीकोड को साहित्य का शहर और मध्य प्रदेश के ग्वालियर को संगीत का शहर घोषित किया।

दिसंबर: दिसंबर 2023 में अरुणाचल प्रदेश में दुनिया की सबसे ऊंची माउंटेन बाइक रेस शुरू की गई। दिसंबर में फोर्ब्स बिजनेस पत्रिका ने 2023 में दुनिया की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं की लिस्ट जारी की, जिसमें चार भारतीय महिलाएं भी शामिल हैं। इसी महीने यूनेस्को ने गुजरात के गरबा नृत्य को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की मान्यता दी। वर्ष 2023 के इसी आखिरी महीने में युवा चेस प्लेयर वैशाली रमेश बाबू भारत की 84वीं ग्रैंडमास्टर बन गईं। *

खेल-खिलाड़ी 2023 / साशा

इस साल खूब चमके ये भारतीय खिलाड़ी

बीत रहा साल भारतीय खिलाड़ियों के लिए अभूतपूर्व सफलताओं और उपलब्धियों वाला रहा। इस साल कई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड्स बनाए। कुछ प्रमुख खेलों और खिलाड़ियों पर एक नजर।

इस साल आयोजित हुए आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम के हार जाने से भले एक अरब चालीस करोड़ भारतीयों का सपना टूट गया हो। लेकिन इसके अलावा 2023 ऐसा साल रहा, जब अलग-अलग प्रतियोगिताओं और खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया के खेल मैदानों में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी।

विराट कोहली

एशियन-पैरा एशियन गेम्स: एशियाई खेलों के इतिहास में यह पहला साल रहा, जब भारत के खिलाड़ियों ने 100 पदकों के आंकड़े को पार किया। इस बार एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जब भारतीय खिलाड़ी जा रहे थे, तो हर तरफ यही लक्ष्य गूंज रहा था, 'अबकी बार 100 के पार'। भारतीय खिलाड़ियों ने ना सिर्फ इस लक्ष्य को पार किया, बल्कि उन्होंने एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार 107 मेडल जीते, जिसमें 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 40 ब्रांज मेडल रहे। चीन के होंगझाऊ शहर में भारतीय खिलाड़ियों ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। एक तरफ जहां इस साल भारतीय खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में 107 पदक जीतकर ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किया, वहीं इन्हीं के नक्शे कदम पर चलते हुए भारत के पैरा खिलाड़ियों ने भी पैरा एशियन गेम्स में 111 पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया।

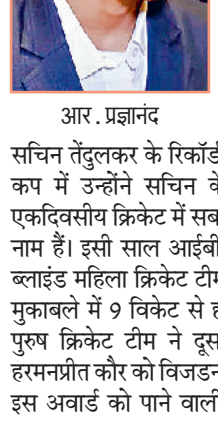

नीरज चोपड़ा

भाला फेंक : जहां तक भाला फेंक खेल की बात है तो इसमें नीरज चोपड़ा ने गोल्डेन ब्वॉय के रूप में अपनी पहचान को कायम रखा। इस साल नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक प्रतियोगिता में पहली बार भारत को वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल दिलाया। अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने यह बड़ी उपलब्धि नहीं हासिल की थी। भाला फेंक प्रतिस्पर्धा में दुनिया के सबसे चमकदार सितारे नीरज चोपड़ा पूरे साल अपनी कामयाबी और प्रतिभा की रोशनी खेल आसमान में भरपूर तरीके से बिखेरते रहे।

एच एस प्रनॉय

रिले रेस : वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4x400 मीटर की रिले रेस में भारतीय टीम पांचवां स्थान ही पा सकी, लेकिन 2 मिनट 59.05 सेकेंड का समय निकालकर भारतीय टीम ने एशियन रिकॉर्ड स्थापित किया।

बैडमिंटन: इसी साल बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन चैंपियनशिप में एच एस प्रनॉय ने ब्रांज मेडल हासिल किया, जो कि अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने नहीं हासिल किया था।

आर. प्रज्ञानंद

शतरंज: हालांकि इस साल 18 साल के आर. प्रज्ञानंद, शतरंज विश्व कप के फाइनल में हार गए, लेकिन जिस धमाकेदार अंदाज में वह फाइनल तक पहुंचे, उससे सारे टूर्नामेंट की लाइमलाइट उन्हें मिली। उन्हें दुनिया के सबसे होनहार शतरंज खिलाड़ी के रूप में नई पहचान मिली।

हरमनप्रीत कौर

क्रिकेट: इस साल भारत में आयोजित हुए क्रिकेट विश्व कप में विराट ने पहले, एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की और फिर इसी विश्व कप में उन्होंने सचिन के रिकॉर्ड को पार भी किया। अब एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50 शतक विराट कोहली के नाम हैं। इसी साल आईबीएसए विश्व खेल 2023 में भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को फाइनल मुकाबले में 9 विकेट से हराकर स्वर्ण पदक जीता, तो ब्लाइंड पुरुष क्रिकेट टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल हरमनप्रीत कौर को विजडन क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर चुना गया, वह इस अवार्ड को पाने वाली पहली भारतीय महिला हैं। जबकि इसी साल विजडन टी-20 क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर सूर्यकुमार यादव को चुना गया, जबकि साल 2022 के लिए इसी साल रेणुका सिंह को आईसीसी इमर्जिंग वुमेन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है।

लिएंडर पेस

फुटबॉल: इस साल मनीषा कल्याण, एआईएफएफ महिला फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुनी गईं।

व्यक्तिगत उपलब्धियां: इस साल बहुत से भारतीय खिलाड़ियों को चमकदार व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल हुईं, जैसे- आईसीसी के हॉल ऑफ फेम में पहली भारतीय महिला क्रिकेटर डायना इदुलजी चुनी गई हैं, तो वर्ष 2023 के लिए पुरुष विश्व एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नामांकित होने वाले नीरज चोपड़ा भारत के पहले खिलाड़ी बने हैं। अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम के लिए भारत के मशहूर टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस नामांकित होने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी हैं।

इस तरह देखें तो भारत भले अभी खेल महाशक्ति ना बना हो, लेकिन इतिहास में साल 2023 को उस टर्निंग प्वाइंट वाले साल के रूप में चिन्हित किया जाएगा, जहां से भारत ने खेलों की दुनिया की महाशक्ति बनने का सफर शुरू किया है। *

जलीय जंतु / देवेश प्रकाश

...ताकि विलुप्त ना हो जाए गंगा डॉल्फिन

हालांकि पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से लुप्त होती विशेष जीव प्रजातियों और बिगड़ते पारिस्थितिकी तंत्र पर चिंता जताई जा रही है। लेकिन साल 2023 में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, उनमें एक गांगेय या गंगा डॉल्फिन को बचाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 14 अक्टूबर 2023 को इसे राज्य जलीय जंतु घोषित किया जाना भी शामिल है। गौरतलब है कि इससे पहले 18 मई 2009 को भारत सरकार ने गंगा डॉल्फिन को भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया था।

बहुत विशिष्ट है डॉल्फिन : डॉल्फिन मछली नहीं बल्कि यह एक स्तनधारी जंतु है, मादा डॉल्फिन अपने बच्चे को दूसरी मादाओं की तरह दूध पिलाती है। मादा डॉल्फिन की नर डॉल्फिन से लंबाई थोड़ी अधिक होती है। डॉल्फिन की औसत उम्र करीब 28 साल तक रिकॉर्ड की गई है। गांगेय डॉल्फिन एक ऐसी लुप्तप्राय जीव प्रजाति है, जो अब भारत में सिर्फ गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों में बची है। गंगा नदी में पाई जाने वाली गांगेय डॉल्फिन एक नेत्रहीन जलीय जंतु है, जिसमें सूंघने की अपार शक्ति होती है। जन्मजात नेत्रहीन होने के कारण डॉल्फिन 'इकोलोकेशन' यानी प्रतिध्वनि निर्धारण की बदौलत पहचानकर अपने भोजन हेतु शिकार की तलाश करती है। इसे बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 'सोंस' भी कहते हैं।

गंगा नदी की शुद्धता का संकेतक : गंगा नदी में डॉल्फिन की मौजूदगी, उसके जल के शुद्ध और साफ होने की निशानी है। गंगा के पानी में अगर डॉल्फिन नहीं बच रही, तो इसका मतलब गंगा का पानी जलीय जीवों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसलिए इसको गंगा नदी के स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है।

कई नदियो में था इनका निवास : एक जमाने में गांगेय डॉल्फिन गंगा, यमुना, चंबल, घाघरा, राप्ती और गेरुआ जैसी नदियों में बहुतायत में पाई जाती थी। गंगा और उसकी सहायक नदियों की तरह ही यह ब्रह्मपुत्र-मेघना और संगु-कर्णफुली नदियों में भी पाई जाती थी। यही नहीं यह भारत, बांग्लादेश और नेपाल की तरह भारत से होकर पाकिस्तान में बहने वाली सिंधु नदी में भी बड़ी संख्या में मौजूद थी। लेकिन इसका अस्तित्व अब गंगा नदी के कुछ इलाकों में ही बचा है। एक सरकारी आंकड़े के मुताबिक वर्तमान में इसकी आबादी करीब 2,000 रह गई है।

आबादी घटने के कारण : एक समय था जब गंगा नदी में लाखों की तादाद में डॉल्फिन हुआ करती थीं, लेकिन जैसे-जैसे गंगा में जल प्रदूषण बढ़ा, बांध बनें और तस्करों ने अपने कारोबारी फायदे के लिए इनका शिकार करना शुरू किया, तो तेजी से इनकी संख्या घटने लगी। साल 2009 में गंगा डॉल्फिन के खत्म होने से चिंतित होकर भारत सरकार ने इसे राष्ट्रीय जल जीव घोषित किया और इसके बाद से ही इसकी संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है। इस समय गंगा में उत्तर प्रदेश के नरोरा और बिहार के पटना साहिब, भागलपुर के सुल्तानगंज इलाकों में ही गांगेय डाल्फिन बची हुई है।

बचाव के उपाय: वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) और उत्तर प्रदेश वन विभाग डॉल्फिन की आबादी पर नजर रख रहे हैं। विशेषकर उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के गढ़ गंगा क्षेत्र में डॉल्फिन के जीवन और प्रजनन पर नजरें रखी जा रही हैं। गंगा डॉल्फिन के बचाव के लिए इसी वर्ष उत्तर प्रदेश में 'मेरी गंगा-मेरी डॉल्फिन 2023' अभियान की शुरुआत की गई। इनकी सुरक्षा के लिए मुजफ्फरपुर बैराज से लेकर नरोरा बैराज तक फैली गंगा नदी के किनारे डॉल्फिन की सुरक्षा और संरक्षण के विशेष उपाय भी किए गए हैं। हालांकि इससे पहले भी भारत सरकार ने 1972 के भारतीय वन्यजीव संरक्षण कानून के दायरे में गंगा डॉल्फिन को शामिल किया था। जब गंगा की सफाई के लिए मिशन क्लीन गंगा बनाया गया तो भी इसमें डॉल्फिनों को ध्यान रखा गया और इनकी वृद्धि के लिए योजना बनाई गई। *

शाहरुख खान को यों ही किंग खान नहीं कहा जाता, बढ़ती उम्र में भी उनका जलवा बरकरार है। इन दिनों वह अपनी नई फिल्म 'डंकी' को लेकर खूब चर्चा में हैं। अपनी फैमिली और फैंस को अपनी ताकत मानने वाले शाहरुख की बातें, उन्हीं की जुबानी।

मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था : शाहरुख खान

अपनी जुबानी / आरती सक्सेना

शाहरुख खान का करियर ट्रैक बहुत ही शानदार रहा है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर में उतार- चढ़ाव नहीं देखे। आर्यन के गिरफ्तारी ने उन्हें तोड़कर रख दिया था। उनकी फिल्मों को भी बीच-बीच में असफलता मिली। लेकिन शाहरुख ने इन विपरीत स्थितियों का सामना किया और जल्द ही उभर कर कामयाबी की डगर पर आ गए। करियर की नई ऊंचाइयां छुईं। इस साल 2023 में उनकी सबसे पहले 'पठान' रिलीज हुई। इसके बाद 'टाइगर-3' और 'जवान' आई। 'पठान' और 'जवान' दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। किंग खान के नाम का डंका बजा। अब शाहरुख की इस साल की आखिरी फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। फिल्म की ओपनिंग बहुत शानदार रही है। शाहरुख को विश्वास है, यह फिल्म भी बड़ी सफलता हासिल करेगी। उधर शाहरुख की बेटी सुहाना खान की भी जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से फिल्म करियर की शुरुआत हो चुकी है। अपनी बेटी सुहाना का भविष्य वह कैसा देखते हैं? बीता साल 2023 उनके लिए कैसा रहा? आने वाले नए साल 2024 को लेकर उनका क्या कहना है? करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बहुत-सी बातें शाहरुख खान ने एक मुलाकात में खुलकर कीं। पेश है ये बातें, उन्हीं की जुबानी-

फिल्म 'डंकी' में तापसी पन्नू, विक्की कौशल के साथ शाहरुख

मेरा परिवार ही है मेरी ताकत : शाहरुख खान

मेरी हालिया रिलीज फिल्म 'डंकी': फिल्म 'पठान', 'टाइगर-3' और 'जवान' के बाद इस साल की मेरी चौथी फिल्म 'डंकी' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म के डायरेक्टर राजू हिरानी हैं, वह एक ब्रिलिएंट डायरेक्टर हैं। मैं उनके साथ हमेशा से ही काम करना चाहता था। मेरी यह इच्छा अब फिल्म 'डंकी' के साथ पूरी हुई। इस फिल्म में मेरे साथ तापसी पन्नू, बोमन ईरानी और विक्की कौशल हैं। इस फिल्म में देश के प्रति प्रेम को दर्शाया गया है। फिल्म की शूटिंग सऊदी अरब के साथ कई और कंट्रीज में हुई है। मुझे पर्सनली इस फिल्म में काम करके बहुत खुशी हुई, क्योंकि इस फिल्म में एक ऐसा संदेश है, जो हम भारतवासियों के हित में है। पूरी फिल्म मनोरंजन से भरपूर है। फिल्म को शुरुआती रेस्पांस बहुत जोरदार मिला है। मुझे यकीन है, फिल्म को बड़ी सफलता मिलेगी।

ईश्वर, कर्म और किस्मत पर भरोसा : मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था। मेरे सपने बहुत छोटे थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंडस्ट्री में मुझे इतना सारा प्यार, नाम, शोहरत और पैसा मिलेगा। मेरा मानना है, अगर आपके कर्म अच्छे हैं तो हजारों मुश्किलों के बाद भी ईश्वर आपके लिए रास्ता निकाल देता है। अपनी मेहनत और किस्मत के साथ मुझे ईश्वर पर भरोसा है। मेरा मानना है, अगर हम ईश्वर और अपने आप पर भरोसा करते हैं तो रास्ते अपने आप बनते जाते हैं। हम यह भी जान लें कि ईश्वर का साथ ना हो तो किस्मत साथ नहीं देती है।

मेरी ताकत, मेरा परिवार और मेरे फैंस : एक एक्टर के लिए बहुत जरूरी है कि वह मानसिक रूप से खुश और संतुष्ट रहे। मेरे साथ ऐसा तभी होता है, जब मैं अपने पूरे परिवार को खुश देखता हूं। अगर मेरे परिवार का कोई भी मेंबर दुखी-परेशान है तो मैं अंदर से टूट जाता हूं, क्योंकि मेरा परिवार ही मेरी ताकत है, मेरी कमजोरी है। अपने परिवर के बिना मैं अधूरा हूं। मेरे प्रशंसक भी मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। आज उनके प्यार और विश्वास की वजह से ही मैं बड़ी सफलताएं पा सका हूं। मैं अपने प्रशंसकों के लिए जी-तोड़ मेहनत करने को तैयार रहता हूं, क्योंकि वे हैं तो ही मैं हूं। उनके प्यार के बिना मेरा कोई वजूद ही नहीं है। अपने मुश्किल वक्त में अपने प्रशंसकों का प्यार ही मुझे जिंदा रख पाया है। आज मैं जो कुछ भी हूं, सिर्फ और सिर्फ अपने फैंस की वजह से हूं।

मेरे दिल के करीब है, मेरी बेटी सुहाना : मेरी बेटी सुहाना मेरे दिल के बहुत करीब है। मैंने जब उसको फिल्म 'द आर्चीज' में एक्टिंग करते देखा तो बहुत खुशी हुई। मैं सिर्फ और सिर्फ उसी को देख रहा था। मुझे वह इतनी प्यारी लग रही थी कि मेरी नजर उस पर से हट ही नहीं रही थी। मुझे लगता है, सुहाना नेचुरल एक्ट्रेस है। वह आगे चल कर और अच्छी एक्टिंग कर सकती है। 'द आर्चीज' फिल्म में सुहाना बहुत ही खूबसूरत लगी है। मेरे छोटे बेटे अबराम ने भी हाल ही में अपने स्कूल फंक्शन में भाग लिया था। उसने भी बहुत अच्छा परफॉर्म किया, देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए।

बीता साल और आने वाला नया साल : 2023 मेरे लिए बहुत खास रहा, क्योंकि इस साल मेरी चार फिल्में 'टाइगर-3', 'पठान' और 'जवान' सिर्फ रिलीज ही नहीं हुईं बल्कि सुपरहिट रहीं। साल के आखिर में मेरी एक और फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो गई है। इसे दर्शकों का प्यार मिल रहा है। 2023 मेरे लिए यादगार साल साबित रहा। जहां तक आने वाले नए साल का सवाल है तो 2024 में मैं अपने अधूरे काम पूरे करूंगा। अपने सारे प्रशंसकों को नए साल की ढेर सारी शुभकामनाएं, इस संदेश के साथ देना चाहूंगा कि कभी भी वे जीवन में हार ना मानें, क्योंकि वक्त पलटते समय नहीं लगता, अगर बुरा वक्त आता है तो अच्छा वक्त भी आता है। *